संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -17 सोमवार ,18 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये

देश की संक्षिप्त खबरें

मोदी को मिला नाइजीरिया का राष्ट्रीय पुरस्कार

नाइजीरिया,17 नवम्बर 2024 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं नाइजीरिया के राष्ट्रीय पुरस्कार, ग्रैंड कमांडर ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ द नाइजर के लिए आपका, नाइजीरिया की सरकार और यहां के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस सम्मान को विनम्रता और आदर के साथ स्वीकार करता हूं। मैं यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों और भारत-नाइजीरिया की गहरी मित्रता को समर्पित करता हूं।

सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत

खरगोन,17 नवम्बर 2024(ए)। खरगोन शहर कोतवाली के डायवर्जन रोड पर रविवार सुबह सेंधवा एसडीएम की स्कॉर्पियो और ईको वाहन की टक्कर हो गई. हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इको वाहन डायवर्सन रोड से जवाहर मार्ग की ओर टर्न हो रहा था, जबकि एसडीएम की स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में गायत्री मंदिर की ओर से बावड़ी की ओर जा रही थी. इस भीषण हादसे में 50 वर्षीय रामलाल मांगीलाल उमरखली, 50 वर्षीय शोभाराज की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. जबकि धर्मेंद्र, जगदीश, कैलाश, राधा बाई और एसडीएम सेंधवा के ड्राइवर सादिक उमेद घायल हो गए.

अमेरिका ने लौटाईं भारत की 1400 से अधिक बेशकीमती मूर्तियां

80 करोड़ से ज्यादा है कीमत

दिल्ली,17 नवम्बर 2024(ए)।देश भर में मौजूद कई बेशकीमती मूर्तियां हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है। इनमे से कई मूर्तियों को चोरों ने चुराकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच दिया जाता है। ऐसी ही कुछ मूर्तियां अमेरिका के न्यूयॉर्क म्यूजियम में रखी थी, जो भारत से चुराई गई। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों से चुराई गई ऐसी कलाकृतियों को अमेरिका ने वापस देने का फैसला किया था। भारत के अलग-अलग इलाकों से चुराई गई 1400 से अधिक कलाकृतियां जिनकी कीमत 10 मिलियन डॉलर (84 करोड़) बताई जा रही है, वो लौटा दी गई है।

गर्ल्स टॉयलेट में हिडन कैमरा मिलने के बाद हड़कंप

सोनभद्र,17 नवम्बर 2024(ए)। सोनभद्र जिले के एक इंटर कॉलेज के गर्ल् स टॉयलेट में छिपा हुआ कैमरा मिला है। कॉलेज की एक छात्रा ने इस कैमरे को देखा। अ‍ॅन्य छात्राओं को इसकी जानकारी होने के बाद हंगामा मच गया।

एनपीपी ने भाजपा से समर्थन वापस लिया

» सरकार को खतरा नहीं...

» एएफएसपीए हटाने की मांग...

» खड़गे बोले...मणिपुर ना एक...ना सेफ...

इंफाल/आइजोल,17 नवम्बर 2024(ए)। मणिपुर में 3 महिला और 3 बच्चों के शव मिलने के बाद हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच राज्य की भाजपा सरकार में शामिल नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन वापसी का ऐलान किया है। 60 सदस्यों वाली मणिपुर विधानसभा में एनपीपी के 7 सदस्य हैं, जो भाजपा सरकार को समर्थन दे रहे थे। भाजपा के पास 32 सदस्य हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 31 हैं। ऐसे में सरकार को फिलहाल खतरा नहीं है।

इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह नागपुर की चार रैलियां रद्द कर दिल्ली लौट आए हैं। वे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग करेंगे। वहीं, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल प्रमुख अनीश दयाल को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा जा रहा है। इसी बीच राज्य सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम वापस लेने को कहा है। हिंसा के कारण केंद्र सरकार ने 14 नवंबर को इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, जिरीबाम, कांगपोकपी और बिश्नुपुर जिलों के सेकमाई, लामसांग, लामलाई, जिरीबाम, लीमाखोंग और मोइरांग पुलिस थाना इलाकों में एएफएसपीए लगाया था। 16 नवंबर को सीएम एन बीरेन सिंह और 10 विधायकों के घरों पर हमले हुए। हालात बिगड़ते देख 5 जिलों में कर्फ्यू और 7 जिलों में इंटरनेट सर्विस बंद है।

इस बीच, कुछ मंत्रियों सहित भाजपा के 19 विधायकों ने बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा है। सूत्रों के अनुसार अगले दो-तीन दिन में हालात और बिगड़े तो प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग सकता है।

16 नवंबर को जिरिबाम में बराक नदी के तट से दो महिलाओं और एक बच्चे का शव मिला था। शक है कि इन्हें 11 नवंबर को कुकी उग्रवादियों ने जिरीबाम से अपहृत किया था। 11 नवंबर को ही सुरक्षाबलों ने 10 बंदूकधारी उग्रवादियों को मार डाला था। जबकि कुकी-जो संगठन ने इन 10 लोगों को विलेज गार्ड बताया था। 15 नवंबर की रात भी एक महिला और दो बच्चों के शव मिले थे।

खड़गे बोले...मणिपुर के लोग मोदी को माफ नहीं करेंगे

भाजपा चाहती है कि मणिपुर जले। वह नफरत और बांटने वाली राजनीति कर रही है। 7 नवंबर से अब तक राज्य में 17 लोगों की जान जा चुकी है। कई अन्य जिलों में हिंसा भड़क रही है।मणिपुर के मामले में आप (पीएम मोदी) फेल रहे। अगर कभी भविष्य में आप मणिपुर गए तो वहां के लोग कभी आपको माफ नहीं करेंगे। वे कभी ये नहीं भूलेंगे कि आपने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। वहीं, राहुल ने 16 नवंबर की देर रात को पर पोस्ट करते हुए कहा- मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पें विचलित करने वाली हैं। एक साल से ज्यादा हो गया है। हर भारतीय चाहता है कि केंद्र और राज्य सरकारें हिंसा खत्म करवाने की कोशिश करे। मैं एक बार फिर मोदी से मणिपुर आने और क्षेत्र में शांति और सुधार की दिशा में काम करने की मांग करता हूं।

मिजोरम सरकार ने मणिपुर हिंसा पर दुख जताया

मिजोरम सरकार ने केंद्र और मणिपुर सरकार से अपील की है कि वे हिंसा को रोकने और शांति बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। मिजोरम के गृह विभाग ने मारे गए लोगों के परिवारों और घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सरकार ने मिजोरम के लोगों से कहा है कि वे कोई ऐसा काम न करें, जिससे यहां तनाव बढ़े। हिंसा की वजह से मणिपुर के करीब 7,800 लोग मिजोरम में शरण ले चुके हैं। ये लोग कुकी-जो समुदाय से हैं, जिनका मिजोरम के मिजो समुदाय से गहरा सांस्कृतिक जुड़ाव है।

खड़गे बोले- मणिपुर में डबल इंजन की सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मणिपुर में आपकी (भाजपा की) डबल इंजन सरकार है। ना मणिपुर एक है, ना मणिपुर सेफ है। मई 2023 से यह अकल्पनीय दर्द, विभाजन और बढ़ती हिंसा से गुजर रहा है, जिसने इसके लोगों का भविष्य नष्ट कर दिया है।

7 जिलों में इंटरनेट बैन, 5 में कर्फ्यू

विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है, जबकि सात जिलों में शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। ये जिले हैं- इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर। दरअसल, 11 नवंबर को वर्दी पहने हथियारबंद उग्रवादियों ने बोरोब्रेका थाना परिसर और सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। इसमें 10 उग्रवादी मारे गए थे।

अमित शाह की सभी रैलियां रद्द

» अचानक नागपुर से दिल्ली हुए रवाना...

» अब पार्टी के ये नेता संभालेंगे मोर्चा...

मुंबई,17 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आज विदर्भ क्षेत्र में होने वाली सभी रैलियां अचानक रद्द कर दी गईं। इसके बाद वह नागपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

रैलियों के रद्द होने का कारण स्पष्ट नहीं

हालांकि, रैलियों की रद्द होने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन यह अचानक फैसला चुनाव प्रचार के दौरान महत्वपूर्ण बदलाव की ओर इशारा करता है। विदर्भ क्षेत्र में अमित शाह की रैलियों को लेकर पहले से कई राजनीतिक हलचलें थी, और इनकी रद्दी से प्रचार अभियान में कुछ हद तक बदलाव होने की संभावना है।

चुनाव की तारीखें और राजनीतिक रणनीतियां

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को वोटिंग होगी, जबकि 23 नवंबर को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। राज्य की 288 विधानसभा सीटों के लिए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।
केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैलियों के रद्द होने से महाराष्ट्र के चुनावी प्रचार में एक बड़ा बदलाव आया है। अब स्मृति ईरानी और शिवराज सिंह चौहान के साथ-साथ अन्य नेता भी प्रचार में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। राजनीतिक पार्टियों की रणनीतियां अब नए दिशा में विकसित हो रही हैं।

स्मृति ईरानी और शिवराज सिंह चौहान संभालेंगे मोर्चा

अमित शाह की रैलियों के रद्द होने के बाद, विदर्भ के गढ़चिरौली और वर्धा में अब पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी रैलियों को संबोधित करेंगी। वहीं, अन्य दो जगहों पर जहां अमित शाह की उपस्थिति नहीं होगी, वहां मध्यप्रदेश के शिवराज सिंह चौहान रैली करेंगे और चुनाव प्रचार में जोर लगाएंगे।

आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका

» परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने दिया पार्टी से इस्तीफा...

दिल्ली,17 नवम्बर 2024(ए)। विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को रविवार को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता कैलाश गहलोत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल को इस्तीफा भेजा है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा देते हुए एक पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने चिट्ठी में लिखा कि यमुना की सफाई का वादा हमने पिछले चुनाव में किया था, लेकिन सफाई नहीं हुई, हम अपना वादा पूरा नहीं कर पाए। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अपने मंत्री पद के साथ-साथ 'आप' की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दिया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को 'शीशमहल' करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं।

भारत ने डिफेंस सेक्टर में फिर दिखाया दम

हाइपरसोनिक मिसाइल का किया सफल परीक्षण

दिल्ली,17 नवम्बर 2024(ए)।भारत ने डिफेंस सेक्टर में अपना दम दिखाया है। भारत ने पहली बार लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया है। यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल है। यह परीक्षण ओडिशा के तट से दूर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह जानकारी दी। यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने हमारे देश को ऐसे चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास ऐसी महत्वपूर्ण और एडवांस सैन्य तकनीकों की क्षमता है। रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ और सशस्त्र बलों को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की हुई जीत,इधर प्रशंशक ने बाबा महाकाल को चढ़ाई गई अमेरिकी डॉलर की माला

उज्जैन,17 नवम्बर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब भगवान महाकाल को अमेरिकी डॉलर के नोटों से बनी 3 फुट लंबी माला चढ़ाई गई। यह माला गुमनाम भक्त द्वारा डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बनने की खुशी में चढ़ाई गई। इस अनोखे चढ़ावे ने पुजारियों और भक्तों को चकित कर दिया।

असाधारण माला का भेंट

शनिवार, 16 नवंबर को सुबह 4 बजे होने वाली भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल को यह असाधारण माला पहनाई गई। माला में 200 से अधिक अमेरिकी डॉलर के नोट थे, और इसके बीच में जय जय महाकाल लिखा गया था। पुजारियों ने बताया कि माला चढ़ाने वाले भक्त ने अपनी पहचान गुप्त रखी।

मंदिर में पवित्र अनुष्ठान

दिन की शुरुआत सुबह 4 बजे कपाट खुलने और बाबा महाकाल के पवित्र स्नान के साथ हुई। भगवान का अभिषेक पंचामृत और हरिद्वार के गंगा जल से किया गया। इसके बाद महाकाल को रुद्राक्ष की माला, चांदी के आभूषण और सुगंधित पुष्पमालाएं पहनाई गईं। भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल को सूखे मेवे और कपूर से बनी आरती का भोग लगाया गया।

दान और भक्ति का प्रदर्शन

डॉलर की माला के अलावा, भस्म आरती के दौरान एक अन्य भक्त ने मंदिर के दानपात्र में 51,000 रुपये नकद दान किए।

भारतीय रुपये में कितने की है माला

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार, 16 नवंबर को भस्म आरती के दौरान एक अनोखी घटना घटी, जब एक अज्ञात भक्त ने भगवान महाकाल को अमेरिकी डॉलर के नोटों से बनी लगभग 3 फुट लंबी माला अर्पित की। मंदिर के प्रशासक गणेश धाकड़ ने बताया कि माला चढ़ाने वाले भक्त की पहचान नहीं हो सकी है। भक्त ने माला अर्पित करते समय आग्रह किया कि इसे भगवान को पहनाया जाए। माला अर्पित करने के बाद इसे दान पेटी में डाल दिया गया। जानकारी के अनुसार, माला में लगे डॉलर की कुल कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग 2 लाख रुपये आंकी गई है।

स्विमिंग पूल में 3 युवतियों की हुई मौतें

मैसूर,17 नवम्बर 2024(ए)। 17 नवंबर की सुबह सोमेश्वर उचिला में प्राइवेट बीच रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल में तीन युवतियां डूब गईं. पीड़ितों की पहचान कुरुबरहल्ली फोर्थ क्रॉस की निशिता एम.डी. (21), रामानुजा रोड, के.आर. मोहल्ला की पार्वती एस. (20) और विजयनगर के देवराज मोहल्ला की कीर्तना एन. (21) के रूप में हुई है. तीनों मैसूर की निवासी हैं. युवतियां 16 नवंबर की सुबह रिसॉर्ट पहुंची थीं और कमरा नंबर 2 में ठहरी थीं. रविवार को सुबह करीब 10 बजे स्विमिंग पूल में खेलते समय उनमें से एक डूबने लगी. उसे बचाने की कोशिश में दूसरी महिला भी डूब गई, उसके बाद तीसरी भी डूब गई. यह पूरा हादसा रिसॉर्ट में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।
बताया जा रहा है कि युवतियों ने पूल के किनारे अपने कपड़े रखे थे और पानी में उतरने से पहले

अपनी गतिविधि रिकॉर्ड करने के लिए एक आईफ ोन सेट किया था. माना जा रहा है कि यह हादसा इसलिए हुआ क्योंकि उनमें से किसी को भी तैरना नहीं आता था. रिसॉर्ट के कर्मचारियों ने घटना का पता लगाया. सीसीटीवी फुटेज में पूल में संघर्ष करती युवतियां कैद हुई हैं. मामले में उल्लाल पुलिस इंस्पेक्टर एच.एन. बालकृष्ण के नेतृत्व में एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

मैं सीएम पद की रेस में नहीं हूं

मुंबई ,17 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होने वाला है, उससे ठीक पहले राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक बड़ा बयान दिया है। शिंदे ने कहा है कि वे मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं, हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महायुति से ही राज्य का अगला मुख्यमंत्री चुना जाएगा। एक निजी चैनल से बातचीत के दौरान शिंदे ने कहा, मैं मुख्यमंत्री पद की रेस में नहीं हूं, लेकिन महायुति से ही सीएम बनेगा।

यात्री के खाने में कीड़ा मिलने पर रेलवे ने की बड़ी कार्रवाई

कॉन्ट्रैक्टर पर ठोंका 50 हजार जुर्माना

दिल्ली,17 नवम्बर 2024(ए)। वंदे भारत से यात्रा कर रहे एक यात्री को तिरुनेलवेली और चेन्नई के बीच चलने वाली ट्रेन में भोजन के रूप में परोसे गए सांभर में तीन कीड़े मिले. मुरुगन नाम के यात्री ने इसकी शिकायत करने के लिए फूड प्रोवाइडर को फोन किया था. मुरुगन ने कहा कि फूड प्रोवाइडर ने दो कीड़े अपने हाथ से

निकाल दिए जबकि एक बचा हुआ कीड़ा मुरुगन ने अपने हाथ से निकाला. जानकारी के मुताबिक फूड प्रोवाइडर ने यह कहकर मामला रफा-दफा करने की कोशिश की कि यह कोई कीड़ा नहीं बल्कि जीरा है. इस सफाई से परेशान होकर मुरुगन ने शिकायत आगे बढ़ा दी. उन्होंने बातचीत को कैमरे पर रिकॉर्ड किया और खाने को वापस कर दिया. उनके आसपास मौजूद यात्रियों ने भी खाना वापस कर दिया. मुरुगन ने कहा, अगर आप बच्चों को ऐसा खाना देंगे तो उन्हें फूड पॉइजनिंग हो सकती है. इडली पर रंग के निशान हैं.। इस दौरान फूड प्रोवाइडर मुरुगन और उनके आसपास मौजूद यात्रियों को यह मनाने की कोशिश करता रहा कि यह सांभर मसाला और जीरा है.

संपादकीय

भारत विरोधी गतिविधियों को संरक्षण

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टडो ने हिंदू मंदिर के पास हुई हिंसा को अस्वीकार्य बताया है। लेकिन उनकी जिम्मेदारी सिर्फ इसी से पूरी नहीं हो जाती। उन्हें इस शिकायत को दूर करना चाहिए कि कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों को संरक्षण दिया गया है।कनाडा में सड़कों पर भारतीय मूल के लोग मजहबी पहचान के आधार पर लडने़-भिडने़ लगें, तो समझा जा सकता है कि वहां स्थिति कितनी खतरनाक बन गई है। वैसे भी गुजरे सवा साल में भारत- कनाडा के कूटनीतिक संबंधों में बढ़ी टकराहट ने वहां रहने वाले लाखों भारतवंशियों को आशंकित कर रखा है। रविवार को इसमें नया अध्याय जुड़ा, जब ब्रैम्पटन में एक हिंदू मंदिर के बाहर खालिस्तान समर्थक सिख पहुंच गए, जब वहां भारतीय वाणिज्य दूतवास का शिविर लगा हुआ था। खालिस्तान समर्थकों की नारेबाजी पर हिंदू समुदाय के लोगों ने आपत्ति की, जिस पर झगड़ा शुरू हो गया। कनाडा पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जो सभी हिंदू समुदाय के हैं।इस घटनाक्रम ने भावनाओं में और उबाल ला दिया है। घटना पर पहले कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग, फिर भारतीय विदेश मंत्रालय, और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बयान जारी किया। मोदी ने कहा- मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर जानबूझ कर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने के कायरतापूर्ण प्रयास भी उतने ही भयावह हैं। इसके पहले भारतीय उच्चायोग ने भारत विरोधी तत्वों के हमले की निंदा की थी। स्पष्ट है, भारत सरकार ने घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। बहरहाल, प्रमुख मुद्दा यह है कि कनाडा में भारतवंशियों के बीच ऐसे विस्फोटक हालात क्यों बनते जा रहे हैं और अब समाधान क्या है?क्या कनाडावासी भारतीय मूल के लोगों में फिर से आपसी संवाद कायम करना संभव है, ताकि मतभेदों के बावजूद वे हिंसा का शिकार ना बनें? ऐसे प्रयासों में दोनों देशों की सरकारों की प्रमुख भूमिका होनी चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर के पास हुई हिंसा को अस्वीकार्य बताते हुए शांति की अपील की है। लेकिन उनकी जिम्मेदारी सिर्फ इसी से पूरी नहीं हो जाती।

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है।कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ़ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं - उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी !इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़

रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है। अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये - यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है - चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया। विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की! भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुज़ुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है।

-जया वर्मा सिन्हा-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हिन्दू हृदय सम्राट-बाला साहेब ठाकरे

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

बाला साहेब ठाकरे ने 17 नवंबर 2012 को 86 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कहा था। बाला साहब की छवी एक कट्टर हिंदू नेता के तौर पर रही। बाला साहब बाहर से आकर मुंबई में बसने वाले लोगों के खिलाफ थे। ठाकरे साहेब की छवि हमेशा कट्टर हिंदू राष्ट्रवादी नेता की रही हैं। बाला साहेब ने अपना करियर एक कार्टूनिस्ट के रूप में एक अंग्रेजी अखबार दैनिक द फ्री प्रेस जर्नल इन बॉम्बे से आरंभ किया था। इसके बाद 1960 में वे राजनीति में आ गए और पत्रकारिता को अलविदा कह दिया। करीब चार दशक तक महाराष्ट्र की राजनीति को अपने इशारों पर नचाने वाले शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे की आज पुण्यतिथि है। शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे की छवि एक कट्टर हिंदूवादी नेता की रही, उन्होंने कभी चुनाव नहीं लड़ा लेकिन हमेशा किंग मेकर की भूमिका में रहे। बाला साहब करीब 46 वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में रहे। न तो उन्होंने कभी कोई चुनाव लड़ा, न ही कोई राजनीतिक पद स्वीकार किया, फिर भी महाराष्ट्र की राजनीति में अहम भूमिका निभाते रहे। मुंबई को अपना गढ़ बनाकर काम करने वाले बाल ठाकरे

अपने विवादित बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियां बटोरते रहे। वो हमेशा अपनी शर्तों पर जीते थे और चांदी के सिंहासन पर बैठते थे। उनके इशारों पर महाराष्ट्र की राजनीति घूमती थी।। वे महाराष्ट्र के किंग मेकर थे। सरकार में ना रहते हुए भी सभी फैसले लेते थे। 23 जनवरी 1926 को महाराष्ट्र के पुणे में जन्मे बाला साहब ने अपने करियर की शुरुआत एक पत्रकार और कार्टूनिस्ट के तौर पर की थी। उन्होंने द फ्री प्रेस जर्नल से करियर की शुरुआत की। इसके बाद उनके कार्टून टाइम्स ऑफ इंडिया में भी छपे। 1960 में उन्होंने यह नौकरी छोड़ दी और मार्मिक नाम से अपनी खुद की पॉलिटिकल मैगजीन शुरू की। दरअसल, बाला साहब अपने पिता की विचारधारा से प्रभावित थे। 1966 में शिवसेना के नाम से बनाई राजनीतिक पार्टी उन्होंने 1966 में शिवसेना के नाम से राजनीतिक पार्टी बनाई। उन्होंने अपनी विचारधारा आम जन तक पहुंचाने के लिए 1989 में सामना नामक अखबार लॉन्च किए। उनके राजनीतिक कद का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि उनके निधन की खबर सुनते ही मुंबई में चारों ओर सन्नाटा पसर गया था। अंतिम संस्कार के दिन भी आलम वैसा ही रहा। अंतिम यात्रा में दो लाख से ज्यादा लोग शामिल थे। सड़कें खाली पड़ी रहीं और गाड़ियों की आवाजाही न के बराबर थी।सभी के आँखे नम थी जैसा लगा क़ोई तूफान आया है ऐसा था बाला साहेब ठाकरे से सभी का लगाव.क्योंकि यदि उन्होंने म्मान लिया की पाकिस्तान हमारा दुश्मन है और नहीं खेलना है तो बिल्कुल नहीं और उनकी ही ताकत थी मुंबई में पाकिस्तान के साथ एक दिवसीय मैंच नहीं हो सका यानि एक देशभक्त ही थे।

देश या राज्य की राजनीति पर कोई खास असर नहीं

एकाध अपवादों को छोड़ दें तो आमतौर पर उपचुनावों का देश या राज्य की राजनीति पर कोई खास असर नहीं होता है। जबलपुर लोकसभा सीट के उपचुनाव में शरद यादव की जीत या बिहार की वैशाली लोकसभा सीट पर उपचुनाव में लवली आनंद की जीत या झारखंड में तमाड़ विधानसभा सीट पर शिबू सोरेन की हार आदि कुछ अपवाद हैं। बाकी उपचुनाव आमतौर पर रूटीन के अंदाज में लड़े जाते हैं

और सहज ही उसके फैसले भुला दिए जाते हैं। परंतु इस बार ऐसा नहीं है। इस बार 10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट पर बुधवार, 13 नंवबर को मतदान हुआ है और चार राज्यों की 14 विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा।इन 47 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों के नतीजों का बड़ा असर देश और संबंधित राज्यों की राजनीति पर पड़ेगा। हालांकि इनके नतीजों से केंद्र या संबंधित राज्य की सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं होगा। इसके बावजूद इन चुनावों के नतीजे इसलिए अहम हैं क्योंकि उनसे संबंधित राज्यों की राजनीतिक दशा और दिशा तय होगी। इनसे यह भी पता चलेगा कि लोकसभा चुनाव का नतीजा एक संयोग था या सचमुच इंडिया' ब्लॉक का प्रयोग कामयाब हुआ था। चुनाव आयोग ने अचानक उत्तर प्रदेश की नौ सीटों का उपचुनाव 13 नवंबर से टाल कर 20 नवंबर क्यों किया इसका भी अंदाजा नतीजों से लगेगा।उत्तर प्रदेश की नौ सीटों- फूलपुर, कटेहरी, करहल, सीसामऊ, मझवां, गाजियाबाद सदर, खैर, मीरापुर और कुंदरकी में उपचुनाव है। इनमें से चार सीटें समाजवादी पार्टी के, तीन भाजपा के और दो भाजपा के सहयोगियों रालोद व निषाद पार्टी के पास थीं। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस गठबंधन ने भाजपा को हरा दिया था। उसके बाद योगी की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा था। यह खतरा तभी टलेगा, जब राज्य की नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा बड़ी जीत हासिल करे। इसके लिए चुनाव की घोषणा के पहले से योगी आदित्यनाथ मेहनत कर रहे हैं।ऐसा लग रहा था कि मेहनत में कुछ कमी रह गई तभी चुनाव आयोग ने 13 नवंबर का उपचुनाव 20 नवंबर कर दिया। क्योंकि आयोग ने चुनाव टालने का जो कारण दिया है वह निराधार है। आयोग ने गंगा स्नान और गुरु पूर्णिमा का कारण बताया है। लेकिन आठ नवंबर तक छठ होने का कारण बता कर प्रशांत किशोर ने बिहार में उपचुनाव आगे बढ़ाने को कहा था तो आयोग ने उसे खारिज कर दिया था। चुनाव आयोग के तर्क में कोई दम नहीं है। आयोग ने पहले ही मिल्कीपुर का चुनाव घोषित नहीं किया था, जो फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत आता है। बहरहाल, उत्तर प्रदेश की नौ सीटों का चुनाव योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा और उनके करिश्मे की परीक्षा है। चुनाव से पहले पार्टी के अंदर के मतभेद खुल कर सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री कटेंगे तो बंटेंगे' के नारे पर चुनाव लड़ रहे हैं तो उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को इससे ऐतराज है और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' के नारे का जिक्र कर रहे हैं।

-अजीत द्विवेदी-

प्रस्तावित परिसीमन से भारत के संघीय ढांचे को खतरा

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार (हरियाणा)

परिसीमन उच्च-विकास वाले राज्यों की ओर शक्ति को झुका सकता है,जिससे उच्च कुल प्रजनन दर वाले उत्तरी राज्यों को संघीय मामलों में अधिक नियंत्रण मिल सकता है...बिहार और यूपी को अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं,जिससे सभी राज्यों को प्रभावित करने वाली केंद्रीय नीतियों पर उनका प्रभाव बढ़ सकता है।

भारत में परिसीमन अभ्यास, जिसकी देखरेख राष्टपति द्वारा चुनाव आयोग के परामर्श से नियुक्त परिसीमन आयोग द्वारा की जाती है, का उद्देश्य जनसंख्या परिवर्तन के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों को फिर से संगठित करना है, जिससे प्रतिनिधि शासन सुनिश्चित हो सके। हालाँकि, यह प्रक्रिया कुछ लोगों के लिए संभावित नुक़सान के बारे में चिंताएँ पैदा करती है, जिससे राष्ट्र के संघीय ढांचे पर असर पड़ता है। नियंत्रित जनसंख्या वृद्धि वाले दक्षिणी राज्यों में कम प्रतिनिधित्व के कारण संघ के निर्णयों में प्रभाव कम होने का जोखिम है। तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कम हो सकता है, जिससे उच्च सकल घरेलू उत्पाद योगदान के बावजूद राष्ट्रीय मुद्दों में इसकी आवाज़ प्रभावित हो सकती है। परिसीमन उच्च-विकास वाले राज्यों की ओर शक्ति को झुका सकता है, जिससे उच्च कुल प्रजनन दर वाले उत्तरी राज्यों को संघीय मामलों में अधिक नियंत्रण मिल सकता है। बिहार और यूपी को अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं, जिससे सभी राज्यों को प्रभावित करने वाली केंद्रीय नीतियों पर उनका प्रभाव बढ़ सकता है।

उच्च जनसंख्या वाले राज्यों के लिए प्रतिनिधित्व बढ़ाने से उन क्षेत्रों के पक्ष में संसाधनों का पुनर्वितरण हो सकता है, जिससे समान विकास प्रभावित हो सकता है। उत्तर प्रदेश के लिए अतिरिक्त सीटें अधिक केंद्रीय निधि प्राप्त कर सकती हैं, जबकि केरल जैसे कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों को कम संसाधन मिल सकते हैं। अधिक जनसंख्या वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों तक पहुँच असमान विकास को जन्म दे सकती है, जिससे कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्र अलग-थलग पड़ सकते हैं। पूर्वोत्तर राज्यों ने ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व के कारण विकास में हाशिए पर रहने का अनुभव किया है, एक ऐसी स्थिति जो नए परिसीमन के साथ और भी खराब हो सकती है। कम सीटों और संसाधनों के कारण हाशिए पर महसूस करने वाले छोटे राज्य अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे राष्ट्रीय एकता को ख़तरा हो सकता है। सिक्किम जैसे छोटे राज्यों के अलग-थलग महसूस करने का जोखिम बढ़ सकता है यदि उन्हें लगता है कि उनकी चिंताओं का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व किया जाता है, जिससे संघ की संप्रभुता और अखंडता को ख़तरा हो सकता है। हिंदी भाषी राज्यों में अधिक प्रतिनिधित्व गैर-हिंदी क्षेत्रों को हाशिए पर डाल सकता है, जिससे सांस्कृतिक समानता के बारे में चिंताएँ बढ़ सकती हैं। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्रभाव में कमी आ सकती है, जिससे सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा की माँग बढ़ सकती है। अधिक जनसंख्या वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व चुनिंदा क्षेत्रों में सत्ता को केंद्रीकृत कर सकता है, जिससे राज्य की स्वायत्तता कम हो सकती है और सहकारी संघवाद कमजोर हो सकता है। दक्षिणी राज्य केंद्रीय नीतियों को उत्तरी हितों से अत्यधिक प्रभावित मान सकते हैं। कम जनसंख्या वृद्धि लेकिन उच्च कर योगदान वाले राज्यों में कम प्रतिनिधित्व हो सकता है, जिससे राजकोषीय असमानताओं का ख़तरा हो सकता है। यदि सीट आवंटन कम

उत्पादक क्षेत्रों के पक्ष में होता है, तो महाराष्ट को कम केंद्रीय निधि का सामना करना पड़ सकता है। उच्च-कुल प्रजनन दर वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व असमान संसाधन आवंटन की ओर ले जा सकता है, जिससे विकसित राज्यों की केंद्रीय निधियों तक पहुँच प्रभावित हो सकती है।

उत्तर प्रदेश को अधिक केंद्रीय निधियाँ मिल सकती हैं, जबकि कर्नाटक जैसे योगदान देने वाले राज्यों को बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक रूप से उन्नत राज्यों के लिए कम प्रतिनिधित्व राजस्व-केंद्रित नीतियों को प्राथमिकता से हटा सकता है, जिससे राजकोषीय स्थिरता प्रभावित हो सकती है। औद्योगिक नीति पर तमिलनाडु का इनपुट कम हो सकता है, जिससे राष्ट्रीय राजस्व पहल प्रभावित हो सकती है। उच्च कुल प्रजनन दर (राज्यों) के पक्ष में पुनर्वितरण से उन राज्यों के लिए केंद्र प्रायोजित योजना आवंटन में वृद्धि हो सकती है, संभवतः कम कुल प्रजनन दर वाले राज्यों की क़ीमत पर। बिहार जैसे उच्च-जनसंख्या वाले राज्यों को अधिक योजना निधि मिल सकती है, जबकि तमिलनाडु जैसे नियंत्रित जनसंख्या और महत्त्वपूर्ण योगदान वाले राज्यों को कार्यक्रम निधि में कमी देखने को मिल सकती है। राज्यों को जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए प्रोत्साहन खोना पड़ सकता है। केरल जैसे प्रभावी परिवार नियोजन राज्यों को कम राजकोषीय लाभ मिल सकता है, संभवतः अन्य राज्यों को समान प्रयासों से हतोत्साहित कर सकता है। असंतुलन क्षेत्रों के बीच अधिक आय असमानता की ओर ले जा सकता है, संभवतः आर्थिक रूप से विवश क्षेत्रों से अधिक विकसित राज्यों में प्रवास प्रवाह को बढ़ावा दे सकता है। प्रति राज्य लोकसभा सीटों की सीमा तय करने से क्षेत्रीय आकांक्षाओं के साथ प्रतिनिधित्व को संतुलित करने के लिए संभावित समाधान सामने आएंगे। प्रति राज्य सीटों को सीमित करने से संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकता है और अधिक आबादी वाले राज्यों द्वारा असंगत प्रभाव को रोका जा सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने सीटों की सीमा 435 (1913 से) तय की है, जो कुल संख्या का विस्तार किए बिना राज्यों के बीच पुनर्वितरण करती है, जिससे संतुलित राज्य प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है। सीटों को आनुपातिक रूप से जोड़ने से जनसंख्या-नियंत्रित राज्यों को दंडित किए बिना लोकतांत्रिक विस्तार की अनुमति मिलती है। जर्मन बुंडेस्टैग मिश्रित-सदस्यीय दृष्टिकोण का उपयोग करता है, विशेष क्षेत्रों को नुक़सान पहुँचाए बिना आनुपातिकता बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार सीटें जोड़ता है। राज्यसभा की भूमिका बढ़ाने से क्षेत्रीय हितों में वृद्धि होती है, क्योंकि यह आबादी के बजाय राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है।

राज्यसभा का प्रभाव बढ़ाने से यूरोपीय संघ की घटती आनुपातिकता को प्रतिबिंबित किया जा सकता है, जहाँ कम आबादी के बावजूद छोटे सदस्य राज्य महत्त्वपूर्ण प्रतिनिधित्व बनाए रखते हैं। अतिरिक्त अनुदान प्रदान करने से जनसंख्या-नियंत्रण प्रयासों को पुरस्कृत किया जाता है, जिससे केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजकोषीय निष्पक्षता सुनिश्चित होती है। कम प्रतिनिधित्व के बावजूद केरल और तमिलनाडु को लक्षित विकास निधि मिल सकती है। परिसीमन पर एक और रोक लगाने से प्रतिनिधित्व में अचानक बदलाव के बिना स्थिरता और नीति अनुकूलन की अनुमति मिलती है। फ़्रीज को बढ़ाने से जनसंख्या में होने वाले बदलावों के साथ क्रमिक समायोजन की अनुमति मिलेगी, जिससे संघीय सद्भाव बना रहेगा। क्षेत्रीय आकांक्षाओं को सम्बोधित करने में संघीय ढांचे के भीतर क्षेत्रीय भाषाओं, परंपराओं और प्रथाओं का सम्मान करने वाली नीतियों को बढ़ावा देकर सांस्कृतिक विशिष्टता को मान्यता देना शामिल है।

कविता
कब आही ग उजास

घटती-घटना
अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

हमर राज म, राजधानी म बोजा गिन परदेशिया
टुकुर-टुकुर मुहु निहारे,हमर जमो छत्तीसगढ़ीहा।
बड़े-बड़े बिल्डिंग हे अउ बनगे हे बड़े-बड़े दफ्तर
जिहाँ बड़े-बड़े बाबू हावय बईठे साहेब-अफसर।
राजधानी के माया, अउ महिमा हे जब्बड़ भारी
चका-चौंध खोर-गली हे,अउ हावे महल-अटारी।
गाँव-गरीब,कमिया-किसान के, नईए ग पूछारी
अपन भूईंया के राज म काबर नईए ग चिन्हारी।
हमर बोली-भाखा नंदावत हे नंदात हे संस्कृति
दया-मया-प्रीत हर नोहर होगे,आवत हे विकृति।
पुरखा के चिन्हारी हमर,अउ जिनिस हर नंदागे
बिदेशी परदेशिया मन के, चाल-चलन ह रंगागे।
हमर गाँव-गंवाई कब संवरही कब आही उजास
मोर जमो छत्तीसगढ़ीहा म कईसे आही उल्लास

कविता
नदी

घटती-घटना
लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद छत्तीसगढ़

नदी धार अनमोल है, इसे सब करो जतन।
होगा सबका का भलाई,करो जी सभी यतन।।
कल कल बहती नदी जब,पावन करती धार।
निर्मल होती हर मनुज, जल देती उपहार।।
नदी से बनती झरना,झर झर बहता पानी।
धरती का ये निशानी, मधुर खग की वानी।।
छोटा लगता उद्गम, बहुत होता पावन।
आगे होता विस्तार, सबको लगता भावन।।
जहाँ से होकर जाती,इसकी निर्मल धार।
करती ओ भू समृद्ध,बना जल स्त्रोत सार।।
उम्दा बनाती झरना, कराती सबको भेट।
लोगों को पास बुलाती,पावन लगती जेठ।।
मुहाना कोई भी हो,पर मिला यह समंदर।
देती विसाल स्वरूप,हर बूंद करती अंदर।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

C M Y K

कलेक्टोरेट परिसर में दक्षिणमुखी हनुमान जी की प्रतिमा का हुआ प्राण प्रतिष्ठ,कलेक्टर बने मुख्य जजमान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टोरेट परिसर में हनुमान मंदिर का निर्माण कराया गया है। रविवार को वैधाक मंत्रोचारण के साथ मंदिर में दक्षिणमुखी हनुमान जी की प्रतिमा का प्राणप्रतिष्ठा किया गया। मुख्य यजमान के रूप में कलेक्टर सरगुजा रहे। जो पत्नी के साथ विधि विधान के साथ पूजा-अर्चन कर प्राण पतिष्ठा किया। इस दौरान कलेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारी सहित शहर के अन्य लोग बड़ी संख्या में शामिल रहे।

कलेक्टोरेट परिसर में जैव प्रयोग शाला प्रशिक्षण केंद्र परिसर में आकर्षक हनंमान मंदिर का निर्माण कराया गया है। बजरंग बली की प्रतिमा का मुख दक्षिण दिशा की ओर है इस लिए उन्हें दक्षिणमुखी कहा गया है, जो धार्मिक मान्यता के अनुसार काफी महत्व वाला माना जाता है। रविवार को मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम से किया गया। मुख्य यजमान सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर पत्नी के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान कलेक्टर के माता-पिता भी उपस्थित रहे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर दिनभर भक्ति और उल्लास का माहौल रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर और प्रशिक्षण केंद्र मार्ग में आकर्षक पेवर ब्लॉक भी लगाए जा रहे हैं। मंदिर में स्थापित दक्षिणमुखी हनुमान जी की राजस्थान से सफेद संगमरमर की मंगाई गई है।

यातायात नियम तोड़ने वाले 72 वाहन चालकों से वसूले गए 1.29 लाख समन शुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर सरगुजा पुलिस ने कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान शनिवार को 72 वाहन चालकों से कुल 1 लाख 29 हजार रुपए समन शुल्क वसूले गए हैं। जिसमें तेज रफ्तार वाहन चलाने वाले 18 वाहन चालक से 21 हजार, असंवैधानिक पार्किंग किए जाने के मामले में 20 वाहन चालकों से 7 हजार 4 सौ रुपए, खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वाले 6 लोगों से 12 हजार, ओवरलोड 3 वाहन से 60 हजार, बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन चलाने वाले 2 लोगों से 1 हजार व अन्य मामलों में 6 वाहन चालकों से 15 हजार 9 सौ रुपए समन शुल्क वसूले गए हैं।

अंबिकापुर की डॉक्टर ने बिलासपुर के सिम्स हॉस्टल में लगाई फांसी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर में पदस्थ महिला डॉक्टर ने बिलासपुर के सिम्स हॉस्टल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दो दिन पूर्व वह अंबिकापुर से रिश्तेदार की शादी में शामिल होने बिलासपुर गई थी। वहां वह अपनी पुरानी सहेलियों के साथ सिम्स के हॉस्टल में ठहरी थी। इसी बीच रविवार की सुबह उसकी फांसी पर लटकी हुई लाश मिली। हॉस्टल की दूसरी छात्राएं शव उतारकर सिम्स अस्पताल ले गईं। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस की उपस्थिति में शव का पीएम कराया गया। पुलिस की सूचना पर परिजन शव लेने बिलासपुर पहुंच चुके हैं। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गुतुरमा निवासी डॉ. भानूप्रिया सिंह वर्तमान में अंबिकापुर के गोधनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अनुबंध पर मेडिकल ऑफिसर के रूप में पदस्थ थीं। 2 दिन पूर्व वह अपने माता-पिता को बताकर रिश्तेदार की शादी में शामिल होने बिलासपुर गई थी। बिलासपुर के सिम्स हॉस्टल में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही अपनी पुरानी सहेलियों के साथ वह ठहरी थी। रविवार की दोपहर एमबीबीएस की दूसरी छात्राओं ने उसकी हॉस्टल के कमरे में फांसी से लटकी हुई लाश देखी। इससे हॉस्टल में हडक़ंप मच गया। सिम्स प्रबंधन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने उसके परिजनों को भी सूचना दी। बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने इलाज कराने जाने के नाम पर छुट्टी ली थी।

सरगुजा में पाइड और मार्श हैरियर ने डाला डेरा,व्हाइट वैगटेल,रॉक थ्रश के शोर से गुलजार हुआ जंगल

- सरगुजा के जंगल अपनी शाति के लिए जाने जाते हैं. सर्दियों के मौसम में यहां विदेशी पक्षियों का कारवां पहुंचता है...
- रॉक थ्रश के शोर से गुलजार हुआ जंगल ...

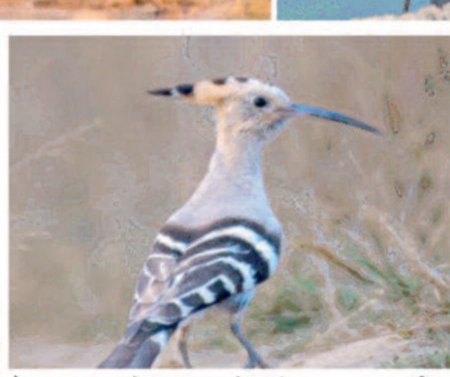

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गुलाबी सर्दियों के शुरु होते ही सरगुजा संभाग में विदेशी पक्षियों का आना शुरु हो जाता है। हजारों किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर ये प्रवासी पक्षी सरगुजा में कुछ दिनों के लिए बसेरा डालते हैं। इन पक्षियों को सरगुजा का मौसम काफी सूट करता है. इस वजह से हर साल ये पक्षी नवंबर के महीने में यहां पहुंच जाते हैं। खलिहान में इस वक्त धान की मिसाई होती है। अनाज भरपूर मात्रा में खेतों और खलिहानों में होता है। प्रवासी पक्षी दाने की तलाश में झुंड के झुंड उड़ान भरते नजर आते हैं। प्रवासी पक्षियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी पहुंचते हैं।

गुलाबी सर्दी के आते ही पहुंचते हैं प्रवासी पक्षी

प्रवासी पक्षी हवा में शिकार करता है। आजकल प्रवासी पक्षियों ने डाला सरगुजा में डेरा डाला हुआ है। प्रवासी पक्षी आबादी से दूर अपना डेरा डालते हैं। अम्बिकापुर के वाइल्डलाइफ प्रेमी डॉ. हिमांशु गुप्ता ने इन पक्षियों को खोजा है और उसकी खूबसूरत तस्वीरें भी उतारी है। हिमांशु गुप्ता बताते हैं कि सर्दियों के शुरू होते ही प्रवासी पक्षी साउथ की ओर प्रस्थान करने लगते हैं। यहां का मौसम इस वक्त इनके लिए सबसे बेहतर होता है लिहाजा ये यहां के जंगलों में आकर डेरा डाल देते हैं। व्हाइट वैगटेल, रॉक थ्रश, ब्लू रॉक थ्रश, साइबेरियन स्टोन चैट जैसे पक्षी साइबेरिया से माइग्रेट होकर यहां हर साल आते हैं।

प्रवासी पक्षियों को भा रहा है है सरगुजा का मौसम,पक्षियों के शोर गुल से बढ़ी रौनक

विदेशी पक्षियों का पहुंचा कारवां से वाइल्डलाइफ प्रेमी डॉ. हिमांशु गुप्ता कहते हैं कि यहां पर रैप्टर्स पक्षी भी पहुंचे हैं जो साइज में काफी बड़े होते हैं. ये पक्षी हवा में ही छोटे पक्षीयों का शिकार कर लेते हैं। सरगुजा के जंगलों में इस बार पाइड हैरियर, मार्श हैरियर नाम के पक्षियों ने डेरा डाल रखा है। जैसे जैसे सर्दी बढ़ेगी इन प्रवासी पक्षियों की संख्या भी बढ़ती जाएगी। हिमांशु गुप्ता ने अबतक सैकड़ों बर्ड्स की तस्वीरें अपने कैमरे में उतारी है। हिमांशु गुप्ता पेशे से डॉक्टर हैं पर पर्यावरण और पशु पक्षियों में उनकी बड़ी रुचि रही है।

कनकी में प्रवासी पक्षियों की दस्तक से मिला मानसून आगमन का संदेश

कोपरा जलाशय बना परिंदों का बसेरा, दूर-दूर से देखने आ रहे सैलानी

छत्तीसगढ़ में पहली बार दिखी नॉर्थ पोल की प्रवासी पक्षी व्हिंब्रेल, गिधवा परसदा वेटलैंड में फोटो कैप्चर, पैरों में दिखा ङ्घक्चक्र टैग -

मानसून मैसेंजर पहुंचे कोरबा, सात समंदर पार से पहुंचे विदेशी मेहमान बताएंगे इस साल कैसी होगी बारिश -

छत्तीसगढ़ कैसे बनेगा प्रवासी पक्षियों का गढ़, क्या करने होंगे उपाय?

गांजा बेचने कर रहा था ग्राहक की तलाश,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मणिपुर पुलिस ने गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 17 नवंबर को मुणिपुर पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम केशवपुर बाजार के पास पानी टंकी के पीछे एक व्यक्ति झोले में गांजा रखकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर संदेही को हिरासत में लेकर तलाशी तो 650 ग्राम गांजा पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 8 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी कुलपति दास उम्र 50 वर्ष निवासी बरगीडीह थाना लुन्ड्रा हाल मुकाम केशवपुर थाना मणीपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पति की पिटाई से जख्मी महिला की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

15 दिन पूर्व शराब के नशे में पति ने पत्नी की बेदम पिटाई कर दी थी। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चंद्रवति पति मनीरामु नागवंशी (45) पत्थलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पाकरगांव की रहने वाली थी। 2 नवंबर की रात करीब 1.30 बजे शराब के नशे में पति-पत्नी घर के बाहर विवाद कर रहे थे। इस दौरान पति मनीरामु ने हाथ-मुक्के व डंडे से पत्नी की बेदम पिटाई कर दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए पत्थलगांव अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पतल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान 17 नवंबर की सुबह उसकी मौत हो गई।

7 दिवसीय शिविर में दी गई योग की जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

12 कुण्डीय विश्व कल्याणार्थ एवं पतंजलि योगपीठ द्वारा 11 से 17 नवंबर तक प्रातः 5.30 से 7 बजे तक योग सात दिवसीय योग विज्ञान शिविर इस मिल रोड नमना कला अंबिकापुर समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस शिविर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से पधारे स्वामी नरेंद्र देव स्वामी अशोकानंद, आचार्य निरंजन, आचार्य अमर के योगिग जागिंग के बारह अभ्यास, सूर्य नमस्कार, विभिन्न आसन, प्राणायाम, प्रेरणा दायक गीतों के साथ कराया गया, दोपहर में चिकित्सा परामर्श आयुर्वेद, एक्यूप्रेशर से लगभग सौ लोगों का इस इलाज किया गया। कार्यक्रम में कौशलेंद्र पांडे ने कहा इस तरह का आयोजन होता रहना चाहिए पतंजलि संस्था का कार्य सराहनीय है, द्वितेद्र मिश्रा के द्वारा कहा गया कि मेरा स्वस्थ सात दिनों में योग शिविर में भाग लेने से सुधर गया स्वामी जी के द्वारा बताई गई बातों से जीवन जीने का उद्देश्य मिला मैं हमेशा कहीं भी कोई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा मैं यथा शक्ति मदद करता रहूंगा, मंजूषा भगत ने कहा कि मैं हमेशा योग करती हूं संस्था में निरंतर सहयोग प्रदान करती हूं, प्रमोद चौधरी के द्वारा कहा गया कि योग के बगैर कोई कार्य संभव नहीं हो सकता अगर आप अपना अथवा समाज देश का विकास चाहते है तो योग करना होगा,भगत साहब के द्वारा कहा गया कि पतंजलि संस्था द्वारा स्कूल कालेजों में योग के माध्यम से जीवन प्रबन्धन एवं राष्ट्र आराधन कार्य जो चल रहा है उसे ग्रामीण क्षेत्रों करने की आवश्यकता है क्योंकि गांव के लोग बीमार हो रहे हैं और हमसे अलग हो रहे हैं उन्हें योग के माध्यम से जोडऩे की आवश्यकता है

चोरी के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने सात माह बाद किया गिरफ्तार

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूने मकान का दीवार फांदकर 4 हजार रुपए चोरी करने के माले में 7 माह से फरार आरोपी को लुण्ड्रा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार खीर कुमार ग्राम पार्वतीपुर थाना लुण्ड्रा की रहने वाली है। 5 अप्रैल को प्रार्थिया घर में ताला बंदकर कहीं गई थी। इस दौरान गांव का सत्यम तिवारी ने घर का दीवार फांदकर अंदर घुसकर 4 हजार रुपए नकदी पार कर दिया था। घटना को स्थानीय लोगों ने देखा था। चोरी के मामले में पीड़िता ने नामजद रिपोर्ट लुण्ड्रा थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस विवेचना कर रही थी। आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को घटना के 7 माह बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 हजार रुपए नकदी भी बरामद किया है।

पति की पिटाई से जख्मी महिला की मौत

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

15 दिन पूर्व शराब के नशे में पति ने पत्नी की बेदम पिटाई कर दी थी। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चंद्रवति पति मनीरामु नागवंशी (45) पत्थलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पाकरगांव की रहने वाली थी। 2 नवंबर की रात करीब 1.30 बजे शराब के नशे में पति-पत्नी घर के बाहर विवाद कर रहे थे। इस दौरान पति मनीरामु ने हाथ-मुक्के व डंडे से पत्नी की बेदम पिटाई कर दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए पत्थलगांव अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पतल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान 17 नवंबर की सुबह उसकी मौत हो गई।

खलिहान में रखे धान खरही में लगी आग,घर भी आया चपेट में

अग्नि शमन वाहन ने आग पर पाया काबू किसान को हजारों रुपए की क्षति

- संवाददाता -

लखनपुर, 17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

थाना क्षेत्र के ग्राम कोसंगा चारपारा में कोठार में लगे धान खरी में अचानक आग लग गई देखते ही देखते आग की लपेट ने एक घर को भी अपने चपेट में ले लिया जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक धान फसल जलकर खाक हो चुकी थी मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम कोसंगा चारपारा निवासी सुख साय पिता घूरन राम धान फसल की कटाई कर अपने खलिहान में रखा हुआ था 17 नवंबर दिन रविवार की दोपहर लगभग 3:00 बजे अचानक से आग लग गई देखते ही देखते आग की चपेट में पेरावट और पड़ोसी का घर भी आ गया । सूचना उपरांत अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंचा और किसी तरह आग पर काबू पाया गया जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक धान फसल जलकर पूरी तरह खाक हो चुका था तो वही घर के कुछ हिस्से मे भी आग लगने से क्षतिग्रस्त हो गए वहीं किसान ने शासन प्रशासन से मुआवजे की मांग की है जिससे उसकी आर्थिक क्षति की पूर्ति हो सके और मवेशियों के लिए चारा पानी का इंतजाम कर सके।

पीएम मोदी को नाइजीरिया का दूसरा सर्वोच्च सम्मान

क्वीन एलिजाबेथ के बाद पुरस्कार पाने वाले पहले शख्स बने

अबुजा (नाइजीरिया), 17 नवम्बर 2024। नाइजीरिया ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय सम्मान ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर नाइजर से सम्मानित किया। इस सम्मान के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी दूसरी ऐसे विदेशी नेता बन गए हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया है।

महारानी एलिजाबेथ के बाद पुरस्कार पाने वाले दूससे शख्स बने

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, नाइजीरिया के ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे बड़ी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे भारत के लोगों को समर्पित करता हूं। मोदी को दिया गया यह 17वां अतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। इससे पहले 1969 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद पीएम मोदी ने क्या कहा

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं नाइजीरिया सरकार और नाइजीरिया के लोगों को नाइजीरिया के राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर के लिए दिल से धन्यवाद देता हूं और आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस सम्मान को विनम्रता और सम्मान के साथ स्वीकार करता हूं। इस सम्मान को मैं 140 करोड़ भारतीयों और भारत व नाइजीरिया की गहरी दोस्ती के रिश्ते को समर्पित करता हूं।

सत्रह साल किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला नाइजीरिया दौरा

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों के दौरे पर हैं। नाइजीरिया के राष्ट्रपति के बोला अहम टिनुबु के निमंत्रण पीएम मोदी का यह दौरा हो रहा है और 17 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का नाइजीरिया दौरा है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश की यात्रा की थी। प्रधानमत्री मोदी का नाइजीरिया पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्हें संघीय राजधानी क्षेत्र के मंत्री नयेसोम एजेनवो विके ने अबूजा शहर की चाबी सौंपी। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर बताया कि यह चाबी नाइजीरिया के लोगों का प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा और सम्मान को दर्शाती है।

अबुजा से प्रधानमंत्री मोदी ब्राजील के लिए रवाना होंगे, जहां वह जी20 सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव में वह गुयाना जाएंगे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के स्थानंतरण पश्चात सरगुजा पुलिस द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर दी गई भावभीनी विदाई

- » पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा के कार्यकाल की प्रसंशा कर आगामी कार्यकाल के लिए दी गई शुभकामनायें
- » स्थानांतरण पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा कों पुष्प गुच्छ एवं मोमेंटो देकर किया गया सम्मानित
- » स्थानांतरण पश्चात अमित पटेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशेष आसूचना शाखा कैम्प बस्तर मे देंगे अपनी अग्रिम सेवाएं

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल (अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण) कों जिला सरगुजा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशेष आसूचना शाखा कैम्प बस्तर मे पदंस्थापना पश्चात कोऑर्डिनेशन सेंटर अम्बिकापुर मे विदाई कार्यक्रम आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा के सरगुजा मे अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण के पद पर पदंस्थापना पश्चात कार्यकाल कों अविस्मरणीय बताते हुए उनके कार्यकाल के दौरान अच्छी पुलिसिंग किये जाने हेतु प्रसंशा की गई साथ ही आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनायें देकर भावभीनी विदाई दी गई।

कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल द्वारा कार्यक्रम कों सम्बोधित करते हुए कहा गया कि सरगुजा जिले मे 08 महीने का कार्यकाल रहा इस दौरान सभी वरिष्ठ अधिकारियो सहित अधीनस्थ कर्मचारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ, साथ ही कार्यकाल के दौरान पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री योगेश पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशन मे अनुभाग स्तर पर बेहतर पुलिसिंग के माध्यम से क़ानून व्यवस्था स्थापित किया गया, कार्यकाल के दौरान आप सभी का लगातार सहयोग प्राप्त हुआ हैं, आगे भी आशा करता हू कि आप सभी का निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहेगा, कार्यक्रम मे सभी पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित पटेल कों पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया साथ ही मोमेंटो देकर आगामी सेवाओं के लिए शुभकामनायें प्रदान की गई।

शराब के नशे में हाथियों को खदेड़ने गया था ग्रामीण,कुछ देर बाद मिली लाश

» साथ गए सहयोगियों व वन अमले ने मना किया कि हाथियों के आस-पास मत जाओ, लेकिन नहीं माना, 8 हाथियों के दल ने कुचलकर मार डाला

- संवाददाता -

राजपुर, 17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

रात में गांव के नजदीक पहुंचे 8 हाथियों के दल को एक ग्रामीण अपने सहयोगियों के साथ खदेड़ने गया था। हाथियों का आक्रामक रुख देखकर सहयोगियों व वन विभाग के कर्मचारियों ने उसे हाथियों की ओर जाने से मना किया, लेकिन शराब के नशे में धुत होने की वजह से वह नहीं माना। इसी बीच हाथियों से उसका सामना हो गया और उन्होंने ग्रामीण को कुचलकर मार डाला। सूचना पर रविवार की सुबह वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर पीएम पश्चात परिजनों को सौंप दिया।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के राजपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत बासेन सर्किल के ग्राम चिलमा में शनिवार की रात 8 हाथियों का दल पहुंचा था। इसकी जानकारी चिलमा समेत आस-पास के गांवों के लोगों को हो गई थी। इसी बीच ग्राम गहनाडांड़ निवासी पहाड़ी कोरवा 60 वर्षीय चमरा पिता लोया शराब के नशे में हाथियों को खदेड़ने पहुंच गया।

उसके साथ अन्य लोग भी थे। वह जब हाथियों की ओर जाने लगा तो साथ रहे ग्रामीणों व मौके पर मौजूद वन कर्मचारियों ने उसे मना किया, लेकिन वह नहीं माना। इसी बीच चिलमा नर्सरी कक्ष क्रमांक पी. 2804 में हाथियों ने उसे कुचलकर मार डाला।

सूचना मिलते ही पहुंचे एसडीओ-रेंजर

हाथियों द्वारा ग्रामीण को कुचलकर मार दिए जाने की सूचना मिलते ही रविवार की सुबह वन विभाग के एसडीओ आरएसएल श्रीवास्तव व रेंजर महाजन साहू अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे।

उन्होंने ग्रामीण का शव बरामद कर पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। पीएम पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। विभाग की ओर से उसके परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की गई।

क्षेत्र में 43 हाथियों का दल कर रहा है विचरण

बताया जा रहा है कि 8 हाथियों का दल सप्ताहभर से बासेन सर्किल के जंगल में विचरण कर रहा है। वहीं प्रतापपुर वन परिक्षेत्र से 35 हाथियों का दल 3 दिन पहले ही चाची सर्किल से होते हुए बरियों सर्किल के जंगल में पहुंचा है। फिलहाल राजपुर वन परिक्षेत्र में 43 हाथियों का दल विचरण कर रहा है।

जागरुक करने मुनादी व पंपलेट का ले रहे सहारा

हाथियों के राजपुर वन परिक्षेत्र में विचरण की सूचना मिलते ही डीएफओ के निर्देश पर एसडीओ व रेंजर ने गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी गई थी। वहीं मुनादी कराने के अलावा पंपलेट का भी वितरण किया जा रहा है। इसके बावजूद कई ग्रामीण जागरुक नहीं हो पा रहे हैं।

सड़क हादसे में बड़े पिता व साले की मौत, भतीजा रायपुर रेफर,जीजा भी गंभीर

बड़े पिता व भतीजा बाइक समेत ट्रेलर में टकरा गए,जबकि बाइक सवार जीजा-साला को अज्ञात वाहन ने मार दी थी टक्कर

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी अंतर्गत ग्राम करवां के पास खड़े ट्रेलर से टकराकर बाइक सवार बड़े पिता और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान बड़े पिता की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल भतीजे को रायपुर रेफर कर दिया गया है। दोनों 15 नवंबर को बाइक से दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वहीं दूसरी घटना में जीजा को छोड़ने जा रहे बाइक सवार साले की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई, जबकि जीजा का इलाज जारी है।

सड़क पर मक्का सुखाने से बढ़ी दुर्घटना की आशंका, बीते वर्ष 3 लोगों की हुई थी मौत

सड़क पर मक्का सुखाने से बढ़ी दुर्घटना की आशंका,बीते वर्ष 3 लोगों की हुई थी मौत पहली घटना में सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी अंतर्गत ग्राम कसकेला जूनापारा निवासी बाबूलाल उम्र 51 वर्ष 15 नवंबर को अपने भतीजे भीम सिंह के साथ बाइक से दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम कालीपुर जा रहा था। इसी बीच दतिमा-लटोरी मार्ग पर ग्राम करवां में खड़े ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 15 एसी 5221 में दोनों पीछे से जा टकराए।

दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। आस-पास के लोगों द्वारा दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान 16 नवंबर की सुबह बाबूलाल की मौत हो गई। जबकि भीम सिंह को रायपुर रेफर कर दिया गया है।

साले की मौत, जीजा गंभीर

दूसरी घटना में रायगढ़ जिले के ग्राम खपड़ेगा लैलूंगा निवासी इस्थिफिनेश तिर्की पिता करम साय उम्र 25 वर्ष 15 नवंबर को बाइक से अपने जीजा राजेश एक्का को छोड़ने उदयपुर के ग्राम केदमा जाने निकला था। शाम करीब 5 बजे रायगढ़-अंबिकापुर मार्ग स्थित लुचकी घाट के पास पहुंचा ही था कि अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी।

दुर्घटना में जीजा-साला दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को संजीवनी 108 से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच पश्चात चिकित्सकों ने इस्थिफिनेश तिर्की को मृत घोषित कर दिया। जबकि राजेश का इलाज चल रहा है।

तालाब में डूबने से हुई 12 वर्षीय बालिका की मौत,घटनास्थल पर पहुंचे सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो

- संवाददाता -

सीतापुर, 17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनतरई में 12 वर्षीय बालिका की तलाब में डूबने से मौत हो गई ।

बताया जा रहा है कि मृतक आस्था केरकेट्टा कक्षा 7 वी की छात्रा थी और वह अपनी सहेली के साथ पसरा तालाब नहाने गई हुई थी इसी दौरान तालाब में डूबने से बालिका की मौत हो गई, ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी सीतापुर विधायक कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर पर फोन लगा कर दी, घटना की जानकारी मिलते ही विधायक कार्यालय ने तत्काल सीतापुर एसडीम और एसडीओपी को इसकी जानकारी दी, घटना की जानकारी मिलते ही सीतापुर पुलिस व प्रशासनिक अमला के साथ विधायक रामकुमार टोप्पो भी मौके पर पहुंचे, तालाब में ज्यादा पानी होने के कारण रात में शव को तालाब से निकलना मुश्किल लग रहा था लेकिन सुबह का इंतजार न करते हुए घटनास्थल पर पहुंचे सीतापुर विधायक के निज सचिव लखन सिदार ने एक ग्रामीण के साथ तालाब में घुसकर कर कड़ी मस्कत के बाद शव को तालाब से बाहर निकलने में कामयाब हुए, इस घटना से पूरे सोनतराई ग्राम में दुख का माहौल रहा, सीतापुर विधायक ने मृतक परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी साथ ही उपस्थित प्रशासनिक अधिकारीयों को शासन की ओर से मिलने वाली सहायता उपलब्ध कराने की निर्देश दिये,सीतापुर पुलिस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष का जन्मदिवस आयोजन आलोचनाओं के घेरे में!

पिछले पांच वर्ष तक क्यों नहीं हुआ ऐसा आयोजन,कहां थे तब समर्थक?

आयोजन क्या नगर पंचायत चुनाव के कारण किया गया,क्या छोटे से आयोजन के माध्यम से खुद को प्रायोजित किया गया?

कई वर्षों तक क्यों नहीं थे उनके आगे-पीछे लोग जो नजर आए जन्मदिवस आयोजन में?

क्या लोगों को बुलाकर उनके पक्ष में दिखाने एक प्रयास किया गया?

आखिर क्यों नहीं पहुंचे पूर्व मंत्री बैकुंठपुर विधायक, जबकि कभी थे उनके खास समर्थक?,आयोजन में क्यों थे गिने चुने लोग,क्यों नदारत थे और बहुत से लोग?

-संवाददाता-
पटना,17 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

भाजपा नेता रविशंकर शर्मा का जन्मदिवस पटना गायत्री मंदिर परिसर में मनाया गया। जन्मदिवस उपरांत अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सवालों में पहला तो सवाल यही है कि पिछ्ले पांच वर्ष तक उनके यह समर्थक कहां थे जब विपक्ष सत्ता में थी। तब ऐसे आयोजन क्यों नहीं हुए वहीं सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या आयोजन इसलिए किया गया खुद से ही जिससे नगर पंचायत के लिए दावेदारी अपनी प्रकट की जा सके। इन सवालों के बीच बैकुंठपुर विधायक का नहीं पहुंचना आयोजन में यह भी एक बड़ी बात के रूप में देखी सुनी गई और इसकी चर्चा रही क्योंकि कभी उनके खास थे रविशंकर शर्मा और

अब जब उनका ही जन्मदिवस मनाया गया वह विधानसभा में रहते हुए नहीं पहुंचे। वैसे यह सभी विषय जन चर्चाओं अनुसार सुनी गई और लोग इसको लेकर चर्चा करते सुने गए वहीं अंतिम रूप में यही माना गया कि नगर पंचायत चुनाव में वह एक संभावित दावेदार हैं और इसलिए उन्होंने यह कार्यक्रम प्रायोजित किया और अपनी एक तरह से दावेदारी रखी। वैसे आयोजन के बाद जो कुछ सुनने को मिला उसके अनुसार आयोजन में सीमित मात्रा में ही लोगों को बुलाया गया और उन्हें ही बुलाया गया जिनसे या जिनके समक्ष दावेदारी की जा सके। वही लोग आयोजन में पहुंचे भी जो खुद की नगर पंचायत में रविशंकर शर्मा की दावेदारी सामने आने उपरांत दावेदारी वापस ले लेंगे।

कुल मिलाकर कहा जाए तो आयोजन में सभी दलों के लोग शामिल हुए और सभी ने उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की और वह लोग भी शामिल हुए जो अन्य दलों से तो थे जरूर वहीं यदि रविशंकर शर्मा दावेदारी करेंगे वह अपनी दावेदारी खारिज खुद कर देंगे ऐसा बताया गया। वैसे यह बात कहने में ही ठीक लग रही है यह भी लोग कहते सुने गए और लोगों की माने तो अन्य दल के उन लोगों को बुलाया ही नहीं गया जो लोग प्रबल दावेदार हैं या जिन्हे पार्टी से उम्मीदवार बनाए जाने का जरा भी आभास है। जिन्हे अपनी दावेदारी और अपनी पार्टी से अपनी उम्मीदवारी तय होने का जरा भी भरोसा है वह इस आयोजन से दूर थे यह कहना था कुछ लोगों का। वही लोग पहुंचे अन्य दलों से जिनकी अपने दल में ही पूछ परख खत्म हो गई है। वैसे आयोजन में विधायक का न पहुंचना भी एक बड़ी बात मानी गई और लोगों की चर्चा में यह बात शामिल दिखी कि कहीं न कहीं विधायक भी फिलहाल पटना के मामले से कन्नी काट रहे हैं और नगर पंचायत के मामले में अपने पत्ते खोलने से परहेज रख रहे हैं। नगर पंचायत के लिए पटना से भाजपा के अकेले दावेदार नहीं हैं रविशंकर शर्मा,वहीं अन्य सामने आ रहे दावेदारों में से कुछ बेहतर हैं बस यही लोगों का कहना है। अन्य दावेदार पूर्ण रूप से व्यापारी हैं और वह यदि उन्हें मौका मिला नगर विकास की जगह स्व विकास ही करेंगे यह लोगों का मानना है वहीं अधिकांश की माने तो पार्टी के पुराने चेहरों को छोड़कर अन्य किसी को युवा को मौका मिले यह भी लोगों की मांग है। अब देखना है कि रविशंकर शर्मा इस आयोजन उपरांत टिकट की दौड़ में जीत दर्ज करते हैं या आउट होते हैं वहीं अन्य जो दावेदार उनके लिए समर्पण की भावना कल जता गए क्या वह सही में समर्पण करते हैं या नहीं। वैसे विपक्ष के कुछ जिन्हें पार्टी ने किनारे कर रखा है वह मजबूर हैं, रविशंकर शर्मा की दावेदारी के प्रति यह माना जा रहा है। नगर विकास समिति भी कहीं न कहीं रविशंकर शर्मा के विरुद्ध नहीं जाने वाली क्योंकि उसके भी गठन विस्तार में रविशंकर शर्मा की मंशा शामिल है इसलिए एक छोटी से उम्मीद उनके लिए है जो नगर विकास समिति वाली है जो मजबूर मानी जा रही है इस मामले में उनके प्रति और अन्य मामलो में वह पिछड़े नजर आ रहे हैं।

क्रेशर संचालक ने ग्राम पंचायत खनिज विभाग राजस्व विभाग के बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र के धड़ल्ले से क्रेशर का निर्माण कार्य किया गया

बिना प्रशासन के अनुमति अवैध स्टोन क्रेशर लगाने का आरोप

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,17 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम पंचायत पैनारी में स्टोन क्रेशर मशीन लगाने का मामला सामने आया है। जबकि इस बिना अनुमति के स्टोन क्रेशर के लगने के संबंध में घटती घटना समाचार पत्र ने 16 जून को खबर प्रकाशित किया गया था जिसमें हल्का पटवारी में अपने बयान में कहा था कि इसकी जांच कर अपने उच्च अधिकारियों के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत किया जाएगा। इससे ये लग रहा है कि तत्कालीन पटवारी के द्वारा अपने उच्च अधिकारियों को किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी या देने कि जरूरत नहीं समझी जिस पर अधिकारी जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रहे है।

एमसीबी जिले के पैनारी गांव में शिवानी कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार ने पुल बनाने के लिए अवैध स्टोन क्रेशर लगा लिया.ताकि पुल निर्माण के लिए गिट्टी की जरुरत को पूरा किया जा सके. ये स्टोन क्रेशर सरकारी अनुमति के बिना छोटे झाड़ के जंगल में कि शासकीय भूमि पर लगाया गया है.इसके लिए सबसे पहले ग्राम पंचायत का प्रस्ताव जरूरी होता है जो ग्राम पंचायत पैनारी के द्वारा नहीं दिया गया है उसके बाद भी इस पुल ठेकेदार ने अपनी दबंगई दिखाते हुए प्रतिबंधित भूमि पर स्टोन क्रेशर लगाकर संचालित कर रहा है. स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि क्रेशर लगाने वाली भूमि **छोटे बड़े झाड़** के जंगल के नाम पर दर्ज भूमि है. ठेकेदार के द्वारा पर्यावरण नियमों,लीज एरिया और ग्राम पंचायत के प्रस्ताव राजस्व विभाग खनिज विभाग के बिना अनुमति के स्टोन क्रेशर लगाना पर्यावरण को नुकसान और नियमों की सीधी अवहेलना है।

इस क्रेशर निर्माण को लेकर बीजेपी पर कांग्रेस ने साधा निशाना

ग्राम पंचायत पैनारी के ग्राम पंचायत से महज चंद 500 मीटर की दूरी पर अवैध क्रेशर लगाया गया है कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने इसके लिए बीजेपी पर निशाना साधा है. उन्होंने ने कहा जहां तक मुझे पता है कि बिना लीज के ही क्रेशर का संचालन हो रहा जबकि क्रेशर संचालन के लिए नियम और प्रक्रिया का पालन करना होता है जिस जमीन पर क्रेशर लगाया गया है वो भूमि भी छोटे बड़े झाड़ के जंगल में है और जिस जगह से पत्थर निकाला जाएगा वो दूसरे के नाम पर आबंटित है.ऐसे में पत्थर उत्खनन को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित होगी. हम प्रशासन से ये शिकायत कर रहे हैं ग़लत कामो को रोका जाए। उन्होंने ने आरोप लगाया कि जब से बीजेपी की सरकार आई है, तब से हर काम सेटिंग में चल रहा है.ठेकेदार बिना अनुमति एवं कोई भी प्रक्रिया पूर्ण किए क्रेशर लगा रहे हैं. ये प्रशासन की बहुत बड़ी विफलता को दर्शाता है।

ग्राम पंचायत पैनारी में अवैध क्रेशर लगाने की शिकायत प्राप्त हुई है.हमारे द्वारा पहले जांच की जाएगी यदि अवैध पाया जाता है तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी

शशिशेखर मिश्रा,तहसीलदार

खनिज विभाग कि टीम और राजस्व कि टीम स्थल पर भेजा जाएगा.अगर अवैध पाया गया तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बृजेंद्र सिंह सारथी,एसडीएम

जिले में नौ दिवसीय श्री राम कथा का भव्य आयोजन 19 नवंबर से

कलश यात्रा के साथ होगा शुभारंभ,2100 महिलाएं होंगी सम्मिलित

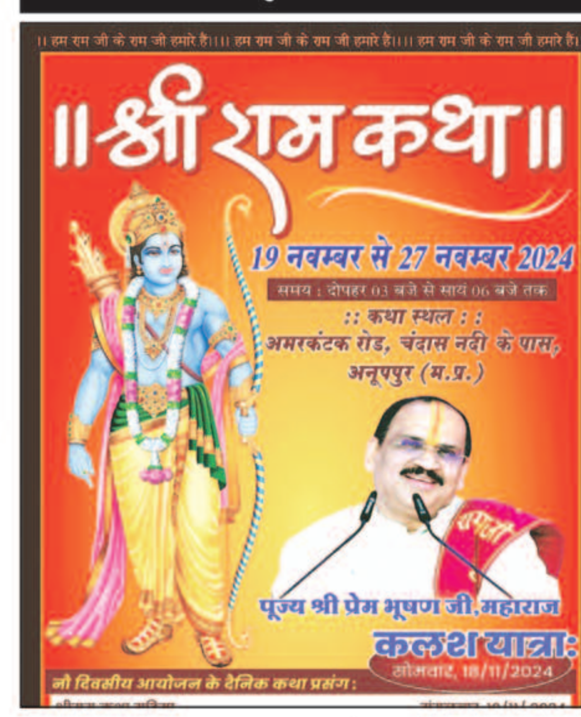

-बागी कलम-
अनूपपुर,17 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय स्थित अमरकंटक रोड चंदास नदी के पास नौ दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन श्री राम सेवा समिति अनूपपुर द्वारा किया गया है जिसकी शुरूआत 18 नवंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। सुबह 11 बजे जैतहरी रोड शिव मंदिर तिपान नदी तुलसी कॉलेज के पास एकत्र होकर कलश यात्रा प्रारम्भ करते हुए चन्दास नदी अनूपपुर मे समापन किया जाएगा। कलश यात्रा मे पुरुष पीले कुर्ते व महिलाएं पीली साड़ी में रहेंगी। 19 से 27 नवंबर को दोपहर 3 से 6 बजे तक प्रेम भूषण दास जी महाराज के मुखारबिन्द से रामकथा का रसपान जिलेवासियों को मिलेगा। जिसमे 19 नवंबर को श्रीराम कथा महिमा, 20 को शिव पार्वती विवाह महोत्सव, 21 को भगवान के अवतार के कारण, प्रकाट्य महोत्सव, 22 को बाल लीला एवं अहिल्या उद्धार, 23 को धनुष भंग एवं श्री सीताराम विवाह महोत्सव, 24 को वन प्रदेश की मंगल यात्रा, केवट प्रेम, 25 को भगवान के 14 निवास स्थान भरती जी का प्रेम, 26 को शबरी प्रेम, नवधा भक्ति एवं हनुमान जी से मिलन तथा 27 नवंबर को सुंदरकांड एवं श्रीराम राज्याभिषेक का आयोजन होगा।

प्रतापपुर में धोखाधड़ी और कुटरचित दस्तावेजों का मामला,पुलिस ने शुरू की जांच

-संवाददाता-
प्रतापपुर,17 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के थाना प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम बरबसपुर में एक गंभीर धोखाधड़ी और कुटरचित दस्तावेजों का मामला सामने आया है। आरोप है कि मनोज सिंह और हकीक हुसैन नामक दो व्यक्तियों ने साजिश के तहत कई लोगों के आधार कार्ड की छायाप्रति मंगवाकर उसमें फेरबदल किया और उसे फर्जी तरीके से मतदाता सूची में जोड़ने का प्रयास किया।

आवेदक नसीर अहमद और समसाद आलम ने थाना प्रतापपुर में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने बताया कि ये दोनों आरोपी अक्सर उनकी मोबाइल और

कंप्यूटर रिपेयरिंग दुकान पर आते थे। कुछ समय पहले, मनोज सिंह और हकीक हुसैन ने व्हाट्सएप के जरिए कई व्यक्तियों के आधार कार्ड की कापी मंगवाई और उन पर नाम-पता बदलकर कुटरचित दस्तावेज तैयार किए। इन दस्तावेजों के आधार पर आरोपियों ने बीएलओ (ब्लॉक लेवल ऑफिसर) के पास फार्म जमा करने का प्रयास किया।

शिकायत के अनुसार, जब आवेदकगण को इस धोखाधड़ी का पता चला, तो उन्होंने तुरंत बीएलओ रूपसिंह साण्डिल्य से संपर्क किया और पाया कि कुटरचित दस्तावेजों के आधार पर फर्जी तरीके से मतदाता सूची में नाम दर्ज करने की कोशिश की जा रही थी। नसीर अहमद ने बताया कि मनोज सिंह और हकीक हुसैन अक्सर उनके दुकान के पास आते थे और वहां के कंप्यूटर से खेलते थे। इस दौरान वे कभी-कभी छेड़छाड़ करते थे, लेकिन नसीर ने उन्हें समझाया था। कुछ दिन पहले, इन आरोपियों ने पंचायत चुनाव में अपने लिए मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। जिसकी शिकायत थाने में की गई है।

रेस लगाने के दौरान युवक टकराया दिवार से,मौत

-संवाददाता-
कोरबा,17 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के बालको थाना क्षेत्र मे उस वक्त मातम छा गया जब एक युवक मोटरसाइकिल से रेस लगाने के दौरान अपनी जान खो बैठा।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है के युवक सड़क पर लापरवाही पूर्वक स्पोर्ट्स बाइक चलाते हुए सामने चल रही गाड़ी से रेस लगाने लगा, इस दौरान ओवरटेक करनेङ्के दौरान वह दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला बालकों थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक की शिनाख्त महर्षि गुप्ता पिता हरिश्चंद्र गुप्ता के रूप में हुई है, जो की मूलतः रायगढ़ का रहने वाला है और कोरबा में किराए से माकन लेकर रहता था। महर्षि बालको प्लांट में निजी कंपनी में कार्यरत था। दुर्घटना बालको अल्युमिनियम गेट के पास हुई, जब सामने से जा रही गाड़ी को ओवरटेक करने के दौरान महर्षि इतनी तेज गति मे था के वह मोटरसाइकिल पर से अपना नियंत्रण खो बैठा जिससे तेज रफ़्तार होने के कारण सड़क किनारे दिवार से जा टकराई। यह टक्कर इतनी भीषण थी की स्पोर्ट्स बाइक के परखच्चे उड़ गए,वहीं युवक का सिर दिवार

पर टकराने से उसे काफी गंभीर चोटे आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के वक्त महर्षि की बाइक काफी तेज रफ़्तार में थीं, वहीं उसने सिर पर हेलमेट भी नहीं पहना था,अगर हादसे के वक्त अगर हेलमेट पहना होता तो शायद उसकी जान बच सकती थी. जवान बेटे की मौत से मृतक के घर में मातम पसर गया है, वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खलिहान में रखे धान खरही में लगी आग...घर भी आया चपेट में

अग्नि शमन वाहन ने आग पर पाया काबू,किसान को हजारों रुपए की क्षति

-संवाददाता-
प्रतापपुर,17 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोसंगा चारपारा में कोठार में रखें खरी में अचानक आग लग गई देखते ही देखते आग की लपेट ने घर को भी अपने चपेट में ले लिया जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक धान फसल जलकर खाक हो चुकी थी मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम कोसंगा चारपारा निवासी सुख साय पिता घूरन राम धान फसल की कटाई कर अपने खलिहान में रखा हुआ था 17 नवंबर दिन रविवार की दोपहर लगभग 3:00 बजे अचानक से आग लग गई देखते ही देखते आग की चपेट में पेरावट और पड़ोसी का घर भी आ गया। सूचना उपरांत अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंचा और किसी तरह आग पर काबू पाया गया जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक धान फसल जलकर पूरी तरह खाक हो चुका था तो वही घर के कुछ हिस्से मे भी आग लगने से क्षतिग्रस्त हो गए वहीं किसान ने शासन प्रशासन से मुआवजे की मांग की है जिससे उसकी आर्थिक क्षति की पूर्ति हो सके और मवेशियों के लिए चारा पानी का इंतजाम कर सके।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0

आगामी तिथि 29/11/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक महेन्द्र कुमार गुप्ता आ0 श्री रामकिशुन गुप्ता निवासी सूरजपुर तहसील व जिला सूरजपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2120/40, 2120/06,2120/08 कुल 03 प्लाट कुल रकबा 2.75 डिसमिल नजूल भूमि को बैंक में बंधक रखकर ऋण लेने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने का अनुरोध किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अपना अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 29/11/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोईविचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 14/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी

(सील) नजूल अधिकारी सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान, जिला सूरजपुर,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत महुली को सूचित किया जाता है कि महेश राम पैकरा पिता रामसाय पैकरा निवासी महुली के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नं0 499/3 रकबा 0.09 हे0 जो ग्राम महुली प0ह0नं0 17 रा0नि0मं0 भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत क्षे0 महुली के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 26/11/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियम तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया है।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय नज़ूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)

आगामी तिथि 29/11/2024

इस सार्वजनिक ईश्तेहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदकगण विनोद कुमार गुप्ता, रामबाबू गुप्ता आ0 रामकिशन दोनो जाति बनिया, निवासी मेन रोड सूरजपुर द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की नजुल भूमि ग्राम सूरजपुर प0ह0नं 11 रा0नि0मं0 सूरजपुर, तहसील सूरजपुर में स्थित है जिसका खसरा नम्बर 2134/5 रकबा 0.03 एकड़ (1064 वर्गफीट) है। आवेदक के द्वारा अपरोक्त भूमि को संतोष कुमार आ0 कुंजबिहारी उम्र लगभग 21 वर्ष जाति तेली निवासी सूरजपुर से पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से दिनांक 19/12/2018 को क्रय की गई है। पंजीबद्ध विक्रयपत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने का अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अपना अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 29/11/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोइ विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी

(सील) नजूल अधिकारी सूरजपुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)

आगामी तिथि 29/11/2024

इस सार्वजनिक ईश्तेहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदकगण विनोद कुमार गुप्ता, रामबाबू गुप्ता आ0 रामकिशन दोनो जाति बनिया, निवासी मेन रोड सूरजपुर द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की नजुल भूमि ग्राम सूरजपुर प0ह0नं 11 रा0नि0मं0 सूरजपुर, तहसील सूरजपुर में स्थित है जिसका खसरा नम्बर 2134/4 रकबा 0.01 एकड़ (436 वर्गफीट) है। आवेदक के द्वारा अपरोक्त भूमि को श्रीमती आशा देवी पति श्री कुंजबिहारी उम्र लगभग 38 वर्ष जाति तेली निवासी सूरजपुर से पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से दिनांक 13/12/2018 को क्रय की गई है। पंजीबद्ध विक्रयपत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने का अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अपना अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 29/11/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोईविचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी

(सील) नजूल अधिकारी सूरजपुर

बाघ के मौत का रहस्य से पर्दा उठा भी नहीं और तेंदुआ की मौत की जानकारी आई

क्या कोरिया वन मंडल में हुई बाघ की मौत की वजह रहस्य बनकर रह जाएगी?

कोरिया जिले में बाघ की मौत बूझो तो जाने बुझौवल बन गई है!

क्या जंगली जानवरों के लिए कोरिया वन मंडल सुरक्षित नहीं?

शॉट पीएम रिपोर्ट में बाघ के पसली की हड्डी टूटने की पुष्टि क्यों नहीं?

प्रथम पीएम रिपोर्ट में जहरखुरानी क्यों बताया गया?

क्या राष्ट्रीय पशु बाघ के मौत पर एसडीओ और डीएफओ बदले जाएंगे पूछता है कोरिया?

पड़ोसी जिल में अब तक एसपी,कलेक्टर बदले जा चुके है,क्या टाइगर की मौत विभाग के लिए किसी बवाल से कम नही?

इस एरिया में दूसरी मौत उसके बाद भी वन कर्मचारी अधिकारी लापरवाह हो और हुई अब तीसरी मौत

कोरिया वन मंडल में बड़े पैमाने में सर्जरी की आवश्यकता कई दशकों से जमे हैं अधिकारी कर्मचारी

राष्ट्रीय पशु के संरक्षण मामले में कोरिया वन मंडल असुरक्षित

कोरिया वन मंडल को सिर्फ निर्माण के लिए और खुद सहित परिजनों के लिए संपत्ति अर्जित करने के लिए पुरस्कृत करना चाहिए वन प्राणियों की सुरक्षा को लेकर नहीं

बाघ के बाद तेंदुए की मौत पर आई विज्ञप्ति, शव में पड़ चुके थे कीड़े

अफसरों की तानाशाही से नाराज मैदानी अमला,मीडिया के सामने आने की हिम्मत नही जुटा पा रहे अफसर

मृत तेंदुआ

मृत बाघ

-रवि सिंह-
कोरिया,17 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के वन मंडल में बाघ की हुई मौत का खुलासा नहीं हो पा रहा है,कहा जाए तो बाघ की मौत कैसे हुई यह सिर्फ एक रहस्य ही बनकर रह गया है? मामला बेजुबान जानवरों का है क्या इसी वजह से मामला ठंडे बस्ते में है? यदि यही मामला मनुष्य की मौत से संबंधित होता तो फिर बवाल होता और कई तरीके से ला एन ऑर्डर बिगड़ जाता और कार्यवाही करने वालों को कार्यवाही करनी पड़ती, पर यहां स्थिति कुछ ऐसी है कि बेजुबान जानवरों की मौत पर बोलेगा कौन? कौन उठायेगा सवाल और कौन चाहेगा कार्यवाही? इसी वजह से राष्ट्रीय पशु की मौत की वजह सिर्फ रहस्य ही बनी रहेगी। कोरिया वन मंडल में जिस तरीके से जंगली जानवरों की मौत की खबरें लगातार आ रही है, उससे तो अब यही लगने लगा है कि कोरिया वन मंडल जंगली जानवरों के लिए सुरक्षित नहीं है,कभी बाघ मर रहे हैं तो कभी तेंदुआ तो कभी जंगली सूअर पर जिम्मेदार निर्माण में व्यस्त हैं और अपने और अपने परिजनों के लिए संपत्ति अर्जित करने में ही रत हैं, कोरिया वन मंडल के अधिकारी कर्मचारी सिर्फ निर्माण करने के लिए ही बेहतर है यह कहना ही अब सही लगता है, जंगली जानवरों की सुरक्षा की उम्मीद इनसे नहीं की जा सकती वहीं वनों की सुरक्षा भी वह करने में नाकाम हैं और जंगल कटते जा रहे हैं, यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि हाल ही में बाघ की मौत के मामले में जो कुछ देखा या सुना जा रहा है वह कहीं ना कहीं बाघ के मौत की असल वजह को सबके सामने लाने से बचाने का प्रयास है, बाघ की मौत पहले जहर से बताई गई, फिर कुछ दिन बाद वन्यजीव संरक्षण, प्रबंधन और विकास केंद्र रोग निगरानी आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर बरेली से रिपोर्ट आई उस में तो यह पता चला कि बाघ की मौत जहर से नहीं हुई है, इसके बाद अब यह कहा जा रहा है कि बाघ की पसलियों के तीन हड्डी टूटी हुई थी, अब यहां पर फिर सवाल उत्पन्न होता है कि यदि जब हड्डियां टूटी हुई थी तो प्रथम पीएम रिपोर्ट में ही इसकी पुष्टि क्यों नहीं हुई? इसके बाद भी यह बात अभी भी सामने नहीं आ पा रही है कि बाघ की मौत आखिर किस वजह से हुई? बाघ की मौत अनसुलझी पहेली बन गई है अब बाघ की मौत लोगों के लिए बूझो तो जाने जैसा हो गया है। आपको बता दें कि भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है, बाघ को साल 1972 में आधिकारिक रूप से भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया था, बाघ को भारत का राष्ट्रीय पशु इसलिए चुना गया क्योंकि वह लावण्यता, ताकत,फुर्तीलापन और अपार शक्ति का प्रतीक है, बाघों के संरक्षण के लिए 1 अप्रैल, 1973 को प्रोजेक्ट टाइगर लॉन्च किया गया था, यह परियोजना उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट नेशनल से शुरू की गई थी, अब वह भारत का राष्ट्रीय पशु व जानवर है पर अपने राष्ट्रीय पशु व जानवर को भी सुरक्षित रखना वन विभाग की जिम्मेदारी है पर यह जिम्मेदारी भी वन विभाग नहीं निभा पा रहा, कोरिया वन मंडल में जिस तरीके से जंगली जानवरों की मौत की खबरें आती है उससे अब यह लगने लगा है कि जंगली जानवरों के लिए यह वन मंडल सुरक्षित नहीं है, इसकी वजह सिर्फ यहां के अधिकारी हैं जो सिर्फ निर्माण में व्यस्त है और अपार संपत्ति अर्जित कर वह कुबेर बनने में लगे हैं, इसके अलावा उनकी वन व वन प्राणियों की सुरक्षा जिम्मेदारी नहीं है? ऐसा अब लगने लगा है। हाल ही में बाघ की मौत जहर की वजह से बताई जा रही थी फिर अचानक कुछ दिन बाद यह बात आती है कि जहर से बाघ की मौत नहीं हुई, बाघ की पसली की तीन हड्डी टूटे हुए थे यह तो पता चल गया पर अभी भी यह नहीं पता चला कि बाघ की मौत हुई किस वजह से? हड्डी टूटने की वजह से मौत हुई या फिर और कोई कारण है अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा।

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 08.11.2024 को समय अपरान्ह 1.00 बजे ग्रामीणों से परिसर रक्षक गरनई को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम – कटवार के पास खनखोपड़ नाला के किनारे एक बाघ की मृत्यु हुई है। घटना स्थल बीट गरनई, सर्किल रामगढ़, परिक्षेत्र सोनहत, कोरिया वनमण्डल के अधीनांकित वनक्षेत्र (कक्ष क्रमांक पी 196) के समीप है। संबंधित वनरक्षक के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया।

तत्काल वनमण्डलाधिकारी कोरिया, संचालक गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर, उपवनमण्डलाधिकारी उत्तर बैकुण्ठपुर, मुख्य वन संरक्षक सरगुजा वन वृत्त अम्बिकापुर, वन संरक्षक (वन्यप्राणी) सरगुजा मौके पर पहुंचे। वन विभाग के कर्मचारियों की टीम के द्वारा घटना स्थल के आसपास 1.5 से 2 कि.मी. परिधि मे तलाशी की गई। प्रथम दृष्टया शव 2–3 दिन पुराना प्रतीत होता है।

दिनांक 09.11.2024 को वन विभाग, पुलिस विभाग, NTCA प्रतिनिधि एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में 4 सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा शव विच्छेदन किया गया। उक्त टीम के अभिमत अनुसार बाघ की मृत्यु का कारण जहरखुरानी संभावित है।

शव विच्छेदन उपरांत शव को नियमानुसार दाह संस्कार किया गया। शव विच्छेदन के दौरान मृत टाईगर के आवश्यक अंगों को प्रयोगशाला परीक्षण हेतु प्रिजर्व किया गया। घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र में गोमार्डा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड टीम द्वारा पतासाजी किया गया तथा कोरिया वनमण्डल एवं गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर की संयुक्त टीम के 4 दलों के द्वारा आसपास के क्षेत्रों मे निरीक्षण किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर उपस्थित रहे एवं समस्त वन अधिकारियों/कर्मचारियों को अपराधियों की पतासाजी करने एवं वाईल्ड लाईफ क्राईम नियंत्रण हेतु निर्देश दिया गया।

मृत टाईगर के स्किन, नाखून, दाँत एवं सभी अंग सुरक्षित थे, किसी भी प्रकार का अंग-भंग नहीं पाया गया। टाईगर मृत्यु के सभी संभावित कारणों की विवेचना की जा रही है।

दिनांक – 09.11.2024
स्थान – बैकुंठपुर

संचालक, वनमण्डलाधिकारी

बाघ के मौत मामले की विज्ञप्ति

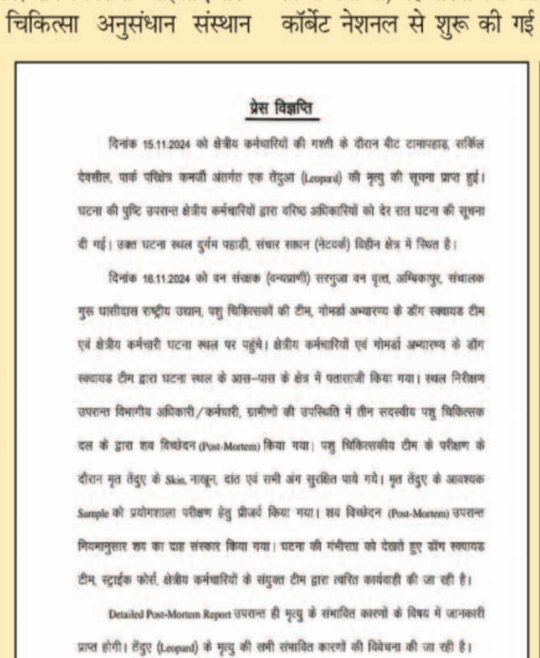

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 15.11.2024 को क्षेत्रीय कर्मचारियों की गश्ती के दौरान बीट टामापहाड़, सर्किल देवसील, पार्क परिक्षेत्र कमजी अंतर्गत एक तेंदुआ (Leopard) की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई। घटना की पुष्टि उपरान्त क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को देर रात घटना की सूचना दी गई। उक्त घटना स्थल दुर्गम पहाड़ी, संचार साधन (नेटवर्क) विहीन क्षेत्र में स्थित है।

दिनांक 16.11.2024 को वन संरक्षक (वन्यप्राणी) सरगुजा वन वृत्त, अम्बिकापुर, संचालक गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, पशु चिकित्सकों की टीम, गोमर्डा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड टीम एवं क्षेत्रीय कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंचे। क्षेत्रीय कर्मचारियों एवं गोमर्डा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड टीम द्वारा घटना स्थल के आस–पास के क्षेत्र में पतासाजी किया गया। स्थल निरीक्षण उपरान्त विभागीय अधिकारी/कर्मचारी, ग्रामीणों की उपस्थिति में तीन सदस्यीय पशु चिकित्सक दल के द्वारा शव विच्छेदन (Post-Mortem) किया गया। पशु चिकित्सकीय टीम के परीक्षण के दौरान मृत तेंदुए के Skin, नाखून, दांत एवं सभी अंग सुरक्षित पाये गये। मृत तेंदुए के आवश्यक Sample को प्रयोगशाला परीक्षण हेतु प्रीजर्व किया गया। शव विच्छेदन (Post-Mortem) उपरान्त नियमानुसार शव का दाह संस्कार किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड टीम, स्ट्राईक फोर्स, क्षेत्रीय कर्मचारियों के संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही की जा रही है।

Detailed Post-Mortem Report उपरान्त ही मृत्यु के संभावित कारणों के विषय में जानकारी प्राप्त होगी। तेंदुए (Leopard) के मृत्यु की सभी संभावित कारणों की विवेचना की जा रही है।

संचालक
गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान
बैकुण्ठपुर

तेंदुआ के मौत मामले की विज्ञप्ति

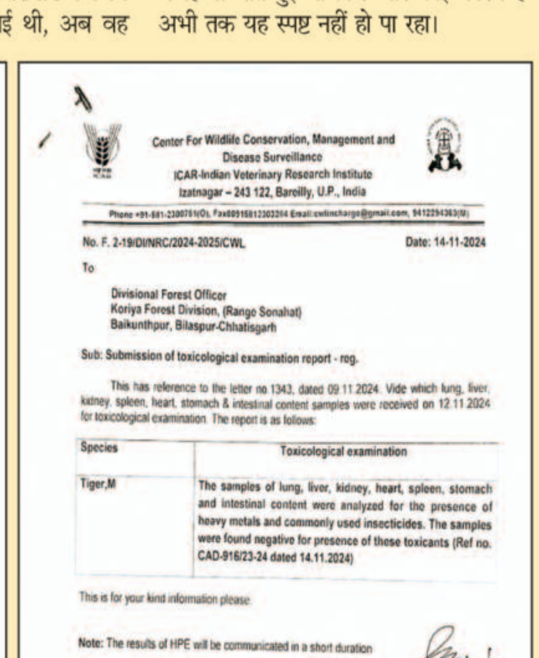

Center For Wildlife Conservation, Management and Disease Surveillance
ICAR-Indian Veterinary Research Institute
Izatnagar – 243 122, Bareilly, U.P., India

No. F. 2-19/DI/NRC/2024-2025/CWL
Date: 14-11-2024

To
Divisional Forest Officer
Koriya Forest Division, (Range Sonahat)
Baikunthpur, Bilaspur-Chhatisgarh

Sub: Submission of toxicological examination report - reg.

This has reference to the letter no 1343, dated 09.11.2024. Vide which lung, liver, kidney, spleen, heart, stomach & intestinal content samples were received on 12.11.2024 for toxicological examination. The report is as follows:

Species	Toxicological examination
Tiger,M	The samples of lung, liver, kidney, heart, spleen, stomach and intestinal content were analyzed for the presence of heavy metals and commonly used insecticides. The samples were found negative for presence of these toxicants (Ref no. CAD-916/23-24 dated 14.11.2024)

This is for your kind information please.

Note: The results of HPE will be communicated in a short duration

वन्यजीव संरक्षण, प्रबंधन और विकास केंद्र रोग निगरानी आईसीएआर की रिपोर्ट

जब तक वन विभाग निर्माण कार्यों से बाहर नहीं निकलेगा,जब तक अथाह संपत्ति अर्जित करने वाली मानसिकता नष्ट नहीं होगी,वन्य जीव और वन सुरक्षित नहीं

वन विभाग को लेकर यह आम बात हो गई है कि वहां केवल निर्माण कार्य के लिए ही अधिकारी कर्मचारी नियुक्त हैं और उन्हें वनों और वन्य जीवों की सुरक्षा से कोई सरोकार नहीं और इसको लेकर वह बेफिक्र हैं। यदि वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के जीवन स्तर और उनके आर्थिक स्थिति पर नजर डाली जाए तो आज वह इस स्थिति में हैं कि वह धन कुबेर हैं, आज वह अलग अलग पद अनुसार करोड़पति से अरबपति हैं और उनका यह जीवन स्तर वन्य जीवों की सुरक्षा में सेंध लगातार वनों की सुरक्षा में सेंध लगाकर बन सकी है। अब यदि वन्य जीवों और वनों की सुरक्षा करनी है तो निर्माण कार्य से इस विभाग को मुक्त करना होगा तभी जाकर यह विभाग अपना मूल कार्य करेगा वरना यहां केवल निर्माण कार्य कर धन कुबेर बनने की ही लालसा लेकर लोग आते हैं और अपना उद्देश्य पूर्ण कर लौट जाते हैं।

क्या कहती है वन्यजीव संरक्षण, प्रबंधन और विकास केंद्र रोग निगरानी आईसीएआर की रिपोर्ट

वन्यजीव संरक्षण, प्रबंधन और विकास केंद्र रोग निगरानी आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर बरेली की रिपोर्ट बताती है की बाघ के फेफड़े, लीवर, किडनी, हृदय, तिल्ली, पेट और आंतों के नमूनों का भारी धातुओं और आम तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कीटनाशकों की मौजूदगी के लिए विश्लेषण किया गया जिसमे विषयले पदार्थों की मौजूदगी के लिए नमूने नकारात्मक पाए गए।

बाघ की मौत का रहस्य से पर्दा उठा भी नहीं और तेंदुआ की मौत की जानकारी आई...

बाघ की मौत का मामला अब तक वन विभाग हल नही कर पाया है और ताजा मामला तेंदुए की मौत का सामने आ गया है। वही अफसर मीडिया से मुँह छिपाते फिर रहे है इस मामले में भी विज्ञप्ति जारी कर सवालों से बचने की कोशिश कर रहे है, जारी की विज्ञप्ति में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर के संचालक ने तेंदुए की मौत को लेकर विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि दिनांक 15.11.2024 को क्षेत्रीय कर्मचारियों की गश्ती के दौरान बीट टामापहाड़,सर्किल देवसील, पार्क परिक्षेत्र कमजी अंतर्गत एक तेंदुआ की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई। घटना की पुष्टि उपरान्त क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को देर रात घटना की सूचना दी गई। उक्त घटना स्थल दुर्गम पहाड़ी, संचार साधन (नेटवर्क) विहीन क्षेत्र में स्थित है। दिनांक 16.11.2024 को वन संरक्षक (वन्यप्राणी) सरगुजा वन वृत्त,अम्बिकापुर, संचालक गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, पशु चिकित्सकों की टीम, गोमर्डा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड टीम एवं क्षेत्रीय कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंचे। क्षेत्रीय कर्मचारियों एवं गोमर्डा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास के क्षेत्र में पतासाजी किया गया। स्थल निरीक्षण उपरान्त विभागीय अधिकारी / कर्मचारी, ग्रामीणों की उपस्थिति में तीन सदस्यीय पशु चिकित्सक दल के द्वारा शव विच्छेदन किया गया। पशु चिकित्सकीय टीम के परीक्षण के दौरान मृत तेंदुए के स्किन, नाखून, दांत एवं सभी अंग सुरक्षित पाये गये। मृत तेंदुए के आवश्यक सेम्पल को प्रयोगशाला परीक्षण हेतु प्रीजर्व किया गया। शव विच्छेदन उपरान्त नियमानुसार शव का दाह संस्कार किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड टीम,स्ट्राईक फोर्स, क्षेत्रीय कर्मचारियों के संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही की जा रही है। विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपरान्त ही मृत्यु के संभावित कारणों के विषय में जानकारी प्राप्त होगी। तेंदुए के मृत्यु की सभी संभावित कारणों की विवेचना की जा रही है।

शव में पड़ गए थे कीड़े

तेंदुए की मौत को लेकर पार्क के अफसर पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे है,जबकि ग्रामीणों की माने तो शव 7 से 10 दिन पुराना हो चुका था, उंसमे कीड़े पड़ चुके थे। 15 नवम्बर की शाम को विभाग को तेंदुए की मौत की जानकारी मिल गई, दूसरे दिन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे, और दिनभर किसी को घटनास्थल जाने नही दिया गया। पोस्टमार्टम सहित तमाम प्रक्रिया करके मामले की जानकारी मीडिया को नही दी गई,दूसरे दिन एडिशनल पीसीसीएफ प्रेम कुमार ने एक प्रतिष्ठित अखबार को तेंदुए की मौत की पुष्टि कर दी,जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मामले की जानकारी दी।

नाराज है मैदानी अमला, माइलेज अलाउंस भी बन्द

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान हो या कोरिया वन मंडल यहां अशिकारियो की मनमानी से विभाग का मैदानी अमला खासा नाराज है , अफसर कभी कभार ही दौरे पर आते है। तानाशाही रवैये के कारण उनमें नाराजगी भरी हुई है। दूसरी ओर कैम्पा के तहत मैदानी अमले को माइलेज अलाउंस 1000 रूपए मिला करता था परंतु अब वो भी बन्द हो गया है, अफसर रेंजर लक्सरी वाहनों में घूमते है जबकि अपना जेब से पेट्रोल भरवाकर मैदानी अमला जंगल मे रखवाली कर रहा है, यही कारण है काम मे समर्पण की भावना अब खत्म हो चुकी है।

क्षेत्र में एक बाघ और विचरण कर रहा

जिस इलाके में बाध के साथ तेंदुजा की बॉडी मिली है, उसी क्षेत्र में एक और बाध विचरण कर रहा है। ऐसे में बाघ की सुरक्षा को लेकर प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं। गौरतलय है कि गुरु घासीदास नेसनल पार्क को टाइगर रिजर्व बनाया जाना है। ऐसे में क्षेत्र में लगातार शेड्? यूल। प्रजाति के वन्यजीवों की लगातार बॉडी मिलने की घटना को एनटीसीए ले सकती है।

राष्ट्रीय पशु की मौत के मामले में सीसीएफ,डीएफओ व एसडीओ के विरुद्ध कार्यवाही क्यों नहीं हुई?

बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है और बाघ की मौत वाली घटना यह बहुत बड़ी बात है और इतने बड़े मामले में संबंधित विभाग छोटे कर्मचारियों की लापरवाही बताकर कार्यवाही तो कर दिया पर क्या बड़े अधिकारियों की लापरवाही नहीं है? छोटे कर्मचारी पर ही ध्यान रखने के लिए बड़े अधिकारियों को रखा गया है पर क्या हुआ क्या वह अपने कर्मचारियों पर ध्यान रख पा रहे थे? सूत्रों का कहना है कि रेंजर अपने क्षेत्र में नहीं रहते थे पर सवाल यह है कि जब रेंजर अपने क्षेत्र में नहीं रहते थे तो उस समय डीएफओ एसडीओ का ध्यान उनके ऊपर नहीं गया? यदि इस पूरे मामले पर कार्यवाही होनी थी तो ऊपर के बड़े अधिकारियों से लेकर नीचे के कर्मचारियों पर होनी थी, पर नीचे के कर्मचारियों पर कार्यवाही करके बड़े अधिकारियों को क्या बचा लिया गया?

मनुष्य के लिए पुलिस व जानवरों के लिए वन विभाग के पास सुरक्षा की जिम्मेदारी

जिस तरह समाज में मनुष्य के लिए पुलिस विभाग का निर्माण किया गया है ताकि उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वह निभाएं और मनुष्यों पर होने वाले अत्याचारों पर कार्यवाही कर न्याय दिलाए, कुछ इसी तरह वन प्राणियों के लिए भी वन विभाग बनाया गया है ताकि वन प्राणियों की सुरक्षा इनकी जिम्मेदारी हो,कहा जाए तो बेजुबान वन प्राणियों के संरक्षण व सुरक्षा के लिए वन विभाग बनाया गया है जहां पर उनकी जिम्मेदारी है वन प्राणियों के साथ वनों को बचाना और वन विभाग में वन प्राणियों व जंगलों को लेकर कठोर कानून बनाए गए हैं जो सजा भी देते हैं, वन प्राणियों को नुकसान पहुंचाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का प्रावधान है जंगलों को नुकसान पहुंचाने वाले के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई का प्रावधान है पर इसके बावजूद विभाग पूरी तरीके से फेल है अपने में कर्तव्य से भटक कर निर्माण में व्यस्त है संपत्ति अथाह अर्जित करने में लगा है,यही वजह है कि जंगल का कानून वन प्रणियों के लिए बना सुरक्षा का कानून सभी ध्वस्त हो रहे हैं इसके जिम्मेदार सिर्फ जिम्मेदार वन विभाग के उच्च अधिकारी ही माने जाएंगे।

खेल की संक्षिप्त खबरें

आईपीएल में 7.50 करोड़ पाने वाले स्टार क्रिकेटर के आए बुरे दिन

नईदिल्ली, 17 नवंबर 2024। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए 1574 खिलाड़ियों ने अपना नाम ड्राफ्ट किया था,लेकिन फ्रेंचाइजियों ने मिलकर 574 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट किया है। इस बार नीलामी में कई बड़े नाम आ रहे हैं, जिससे टीमों के पास ऑप्शंस की कमी नहीं रहने वाली है। ऐसे में नीलामी में कई ऐसे खिलाड़ी अनसोल्ड रहने वाले हैं, जो कभी टीमों की रिटेंशन लिस्ट का हिस्सा हुआ करते थे। आज हम आपको एक ऐसे ही सलामी बल्लेबाज के बारे में बताने वाले हैं, जिसे पिछले सीजन तक सैलरी में 7.50 करोड़ रुपये मिलते थे, लेकिन अब उन्हें खरीददार मिलना भी मुश्किल है।

मेगा ऑक्शन में उतरे हैं ये 6 धाकड़ तेज गेंदबाज

नईदिल्ली, 17 नवंबर 2024। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाला है, जिसका हर क्रिकेट फैन बेसब्री से इंतजार कर रहा है। नीलामी में बेहतरीन बल्लेबाज, तेजतर्रार विकेटकीपर्स, घातक स्पिनर्स और तूफानी तेज गेंदबाज हिस्सा लेने वाले हैं। इस आर्टिकल में हम आपको 6 ऐसे पेसर्स के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें नीलामी में बड़ी रकम मिलना तय है, क्योंकि ये सारे ही बड़े नाम हैं और अपनी काबिलियत को साबित कर चुके हैं।

नंबर-3 और ओपनिंग दो जगह खाली

» 3 खिलाड़ी हैं बड़े दावेदार;

» किस पर दांव लगाएगी टीम इंडिया?

नईदिल्ली, 17 नवंबर 2024। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। भारत के सिम्युलेटेड ट्रेनिंग गेम के दूसरे दिन स्लिप में कैच लेते समय गिल अपना अंगूठा फैक्चर करवा बैठे। ईएसपीएन क्रकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक गिल 6 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। गिल के चोटिल होने के बाद टीम इंडिया की परेशानी बढ़ गई है। अब उसे अपनी बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना होगा। दूसरी तरफ नियमित कप्तान रोहित शर्मा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कमान संभालेंगे। अब टीम इंडिया के पास दो स्लॉट खाली हैं। एक ओपनिंग का और दूसरा नंबर-तीन का। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टेस्ट स्क्वाड में तीन प्लेयर्स इन दो जगह के बड़े दावेदार हैं।

ईश्वरन को मिल सकता है ओपनिंग का चांस

घरेलू क्रिकेट में रनों के पहाड़ खड़े करने वाले अभिमन्यु ईश्वरन ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत-ए के लिए ओपनिंग कर चुके हैं। उन्होंने अभी तक टीम इंडिया के लिए डेब्यू नहीं किया है। 29 साल के इस प्लेयर ने 101 फर्स्ट क्लास मैचों में 7674 रन बनाए हैं, जिसमें 27 शतक शामिल हैं। इसके अलावा उनके नाम पर 88 लिस्ट-ए मैचों में 3847 रन दर्ज हैं। ऐसे में ईश्वरन को यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग का मौका मिल सकता है।

1. केएल राहुल

केएल राहुल ने टीम इंडिया के लिए साल 2014 में टेस्ट में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही उन्होंने टीम के लिए मिडिल ऑर्डर में भी खेला और ओपनिंग भी की है। उनके पास अनुभव है और वह जल्दी ही खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लेते हैं। उन्होंने अभी तक टीम इंडिया के लिए 53 टेस्ट मैचों में 2981 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। विदेशों में टेस्ट मैचों में उनका बल्ला जमकर बोलता है। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अभी तक कुल 11 टेस्ट मैच में 618 रन बनाए हैं।

2. ध्रुव जुरेल

ध्रुव जुरेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिल पाया था। इसके बाद उन्होंने भारत-ए के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 80 और 68 रनों की पारियां खेली। जुरेल ने टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ किया था। वह अब तक भारतीय टीम के लिए 3 टेस्ट मैचों में 190 रन बना चुके हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

नंबर-3 के लिए राहुल और जुरेल के बीच टक्कर!

जर्मनी ने हासिल की रिकॉर्ड जीत

» नीदरलैंड भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

फ्रीबर्ग, 17 नवंबर 2024। जर्मनी ने नेशंस लीग में सबसे बड़ी जीत दर्ज करके पहला स्थान हासिल किया। जूलियन नागेल्समैन की टीम ने बोस्निया और हर्ज़ेगोविना को 7-0 से हराया। जर्मनी ने नेशंस लीग के छह साल के इतिहास में पहली बार एक मैच में सात गोल किए।

इस जीत से पहले ही जर्मनी ने क्वार्टर-फाइनल में जगह पक्की कर ली थी, लेकिन इस जीत ने उन्हें ग्रुप विजेता बना दिया। अब मार्च में अगले चरण में उनका मुकाबला किसी रनर-अप टीम से होगा।

पहले हाफ में जमाल मुसियाला के हेडर, टिम क्लाइनडीनस्ट के डिफ्लेक्शन (जो उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था) और काई हावर्ट्ज़ के शानदार फिनिश से जर्मनी ने बढ़त बनाई।

दूसरे हाफ में भी जर्मनी का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। वहीं, इस हार ने बोस्निया-हर्जेगोविना को लीग ए से बाहर कर दिया है। हार के बाद बोस्निया-हर्जेगोविना नेशंस लीग के दूसरे स्तर पर चला जाएगा।

दूसरी तरफ, तुर्किये और वेल्स के मैच में 0-0 का ड्रॉ रहा। अब ग्रुप बी4 में पहले और दूसरे स्थान की टीमों के बीच सिर्फ दो अंकों का अंतर है। वहीं, स्वीडन ने स्लोवाकिया को 2-1 से हराकर लीग बी में प्रमोशन पक्का कर लिया। इसके अलावा एक दूसरे मैच में नीदरलैंड ने हंगरी पर शानदार 4-0 की जीत के साथ यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

पहले हाफ में वाउट वेघोर्स्ट और कोडी गक्पो ने दो पेनल्टी गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिलाई। फिर डेंजल डम्फ्रीज ने 60वें मिनट के बाद तीसरा गोल कर दिया। इसके बाद आखिरी क्षणों में सब्स्टीट्यूट ट्यून कूपमाइनर्स ने डम्फ्रीज के सटीक क्रॉस पर हेडर से चौथा गोल कर मैच का स्कोर 4-0 कर दिया। इस तरह नीदरलैंड ने 4-0 की जीत के साथ नेशंस लीग क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

हंगरी के स्टाफ मेंबर एडम सालाई अचानक बीमार पड़ने के कारण जोहन क्रुइजफ एरिना में खेले गए इस मैच को शुरुआत में कुछ समय के लिए रोका गया था। हालांकि, उनकी हालत स्थिर होने के बाद खेल दोबारा शुरू हुआ।

शुभमन गिल के बाद 3 खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका

नईदिल्ली, 17 नवंबर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाने वाला है लेकिन, इससे पहले शुभमन गिल इंजरी के चलते पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि गिल के बाद नंबर-3 पर बल्लेबाजी कौन करेगा? तो आइए आपको उन 3 खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं, जो गिल के रिप्लेसमेंट के तौर पर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं।

शुभमन गिल के रिप्लेसमेंट के तौर पर केएल राहुल को चुना जा सकता है। केएल के पास ऑस्ट्रेलिया में खेलने का काफी अनुभव भी है। ऑस्ट्रेलिया की मुश्किल परिस्थितियों में केएल का अनुभव टीम इंडिया के काम आ सकता है राहुल काफी फ्लेक्सिबल हैं और वह नंबर-3 पर भी बल्लेबाजी कर रन बनाने की काबिलियत रखते हैं। वैसे भी तीसरे नंबर पर एक ऐसा बल्लेबाज चाहिए, जो कंगारू गेंदबाजों पर दबाव डालकर क्रीज पर डटा रहे और पारी को आगे बढ़ाए।

रुड को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर

ट्यूरिन, 17 नवंबर 2024। जैनिक सिनर अपने शानदार सत्र का अंत करने से एक कदम दूर हैं। उन्होंने कैस्पर रुड को 6-1, 6-2 से हराकर लगातार दूसरे साल एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

अपने ऐतिहासिक सत्र की 69वीं जीत के साथ 23 वर्षीय खिलाड़ी 2002 में 20 साल के लेटन हेविट के बाद वर्ष के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कई खिताबी मुकाबले तक पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, सिनर और 2024 में आठवें टूर-लेवल खिताब के बीच अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज खड़े हैं। अपने पिछले 26 मैचों में से 25 मैच जीतने वाले सिनर ने राउंड-रॉबिन चरण में फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया है और इस इवेंट में अपराजित चैंपियन बनने की कोशिश कर रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी 2018 में रिकॉर्ड सात बार के

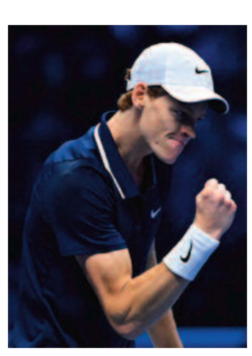

चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद से बिना कोई सेट गंवाए फाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं।

एक साल पहले, सिनर ने राउंड-रॉबिन चरण में जोकोविच को हराया था लेकिन ट्यूरिन में फाइनल में सर्बियाई खिलाड़ी से हार गए थे। तब से, उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन में मेजर जीते हैं और पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंचने वाले इतिहास के पहले इटालियन बन गए हैं।

सिनर को उम्मीद है कि वह रविवार को फ्रिट्ज के खिलाफ खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करेंगे और अगले सप्ताह मैलागा में डेविस कप फाइनल के साथ वर्ष का समापन करेंगे।

रूड ट्यूरिन में तीसरी बार सेमीफाइनल में भाग ले रहे थे, इससे पहले 2022 में फाइनल में जोकोविच से हार गए थे। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सीजन का अंत पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में छठे स्थान पर किया, जिसमें बार्सिलोना में उनका पहला एटीपी 500 खिताब शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के 3 स्टार क्रिकेटर्स को खरीददार मिलना मुश्किल

नईदिल्ली, 17 नवंबर 2024। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं. 24 और 25 नवंबर को साउथ अफ्रीका के जेद्दा में इसका आयोजन होना है. 574 खिलाड़ियों के नाम शॉर्टलिस्ट हुए हैं, जिसमें 366 भारतीय और 208 विदेशी खिलाड़ी हैं. वहीं, एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों पर सभी की नजरें रहने वाली हैं। जहां एक ओर मिचेल स्टार्क जैसे खिलाड़ी होंगे, जिनपर बड़ी बोली लगना तय है, वहीं ऐसे भी कुछ कंगारू खिलाड़ी नीलामी में हिस्सा ले रहे हैं, जिन्हें खरीददार मिलना भी मुश्किल है. तो आइए इस आर्टिकल में

आपको ऐसे 3 ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स के बारे में बताते हैं, जिनका मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहना तय ही है।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ियों में शुमार स्टीव स्मिथ ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में अपना नाम ड्राफ्ट किया है, लेकिन उनका बिकना मुश्किल है. स्मिथ की छवि टेस्ट क्रिकेटर वाली है, इसलिए टी-20 फॉर्मेट में उनपर भरोसा जताना मुश्किल होता है. आईपीएल 2021 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खरीदा था और उसी सीजन उन्होंने अपना आखिरी आईपीएल मैच खेला. ऐसे में अब इस दिग्गज क्रिकेटर का नीलामी में अनसोल्ड रहना तय ही है।

केजीएफ के मेकर्स की नई फिल्म महावतार नरसिम्हा का हुआ ऐलान

धांसू फर्स्ट लुक संग आया धमाकेदार टीजर

फिल्म केजीएफ और कांतारा के मेकर्स होम्बले फिल्म्स ने अपने फैंस के लिए अपनी नई फिल्म से एक टीजिंग पोस्टर शेयर कर फैंस को बेताब कर दिया था। होम्बले फिल्म्स की यह अगली फिल्म कौनसी है और इसका लीड एक्टर कौन हैं, यह सोच-सोच कर लोग परेशान हो गए थे। वहीं, होम्बले फिल्म्स ने अपने वादे के मुताबिक अपने प्रोजेक्ट से पर्दा हटा दिया है। इस फिल्म का नाम महावतार नरसिंहम है, जिसका फर्स्ट लुक शेयर कर दिया गया है। होम्बले फिल्म्स ने फिल्म महावतार नरसिंहम का फर्स्ट लुक शेयर कर लिखा है, अंधेरे और अराजकता से बिखरी हुई दुनिया में... पौराणिक कथा, आधे मनुष्य, आधे शेर अवतार-भगवान विष्णु के सबसे शक्तिशाली अवतार की उपस्थिति का गवाह बनें, अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई की कहानी का अनुभव करें, फिल्म जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ रही है। फिल्म हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू और मलयालम में रिलीज होगी. मेकर्स ने दावा किया है कि वह जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट का एलान करेंगे, लेकिन फिल्म में लीड एक्टर कौन है, इसका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है।

कुबेर की पहली झलक आई सामने

धनुष-नागार्जुन की मोस्ट अवेटेड कुबेर की पहली झलक फाइनली सामने आ गई है। इसमें रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ को भी देखा जा सकता है। कुबेर में धनुष, रश्मिका मंदाना, नागार्जुन अक्किनेनी और जिम सर्भ जैसे टैलेंटेड कलाकार हैं। फिल्म 31 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। उसके पहले मेकर्स फिल्म से अपडेट शेयर करते हुए फैंस की एक्साइटमेंट बरकरार रख रहे हैं। अभी तक मेकर्स ने फिल्म के पोस्टर ही रिलीज किए थे लेकिन अब उन्होंने 51 सेकंड का शानदार वीडियो शेयर करते हुए फिल्म से पहली झलक फैंस को दिखा दी है।दर्शक कुबेर की पहली झलक का लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे वहीं अब इसकी झलक सामने आ गई है। जिसमें धनुष और नागार्जुन कमाल के लग रहे हैं। हालांकि उनके एक्सप्रेशन और लुक इंटेंस ही हैं लेकिन स्क्रीन पर उनकी प्रेजेंस जादू बिखेर रही है। इसी बीच रश्मिका मंदाना और पद्मावत में अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाले जिम सर्भ का लुक भी कमाल का लग रहा है।धनुष की आने वाली फिल्म कुबेर अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है।

शेखर कम्मुला निर्देशित यह फिल्म 31 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उसके पहले हाल ही में मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर मोस्ट अवेटेड फिल्म का पोस्टर रिलीज किया था जिसमें धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं। दोनों अपोजिट कैरेक्टर में हैं लेकिन दोनों के चेहरे पर ही गंभीरता और निडरता देखी जा सकती है। वहीं रश्मिका और जिम सर्भ का कैरेक्टर भी इंटेंस ही लग रहा है. फैंस को यह झलक काफी पसंद आई है और कमेंट सेक्शन में फैंस ने तारीफों की बाढ़ ला दी है.। एक ने लिखा- किंग नागार्जुन, सुपरस्टार धनुष- ब्लाकबस्टर, एक ने लिखा- क्या वीडियो है मन खुश हो गया। एक यूजर ने कमेंट किया- आई लव अक्किनेनी एंड नागार्जुन.फिल्म 31 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी इसमें धनुष, नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ ने अहम रोल प्ले किया है। इसमें दिलीप ताहिल भी खास रोल में हैं. शेखर कम्मुला के साथ, फिल्म को एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं इसका म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है. इसे शेखर कम्मुला ने निर्देशित किया है।

हुमा कुरैशी ने अनाउंस की महारानी 4

हुमा कुरैशी की पॉलिटिकल ड्रामा वेब सीरीज महारानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया. सोनी लिव पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज के अब तक तीन सीजन आ चुके हैं। वहीं अब फैंस महारानी के चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे और इसी बीच हुमा कुरैशी ने सीरीज का चौथा सीक्वल अनाउंस कर दिया है।हुमा कुरैशी ने साल 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने डेढ़ इश्कियां, तरला, एक थी डायन और डबल एक्सेल जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन उन्हें जो पहचान महारानी जैसी वेब सीरीज से मिली, वो फिल्मों से हासिल ना हो सकी। इस बारे में खुद एक्ट्रेस ने खुलकर बात की है.हुमा कुरैशी ने कहा- एक इंडस्ट्री के तौर पर अब समय आ गया है कि हम अपने अंदर देखें और सोचें कि हम अपनी कहानियों को अलग तरीके से कैसे बता सकते हैं। दर्शक हमसे क्या उम्मीद कर रहे हैं या वे किसके लिए तैयार हैं. मैं स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स, बड़ी फिल्मों और इंडी फिल्में मिलाकर रही हूं। मुझे यही करना पसंद है, हर जगह अपना दांव लगाना.हुमा कुरैशी ने अपनी पॉपुलर सीरीज महारानी को अपनी सक्सेस का क्रेडिट दिया। वे कहती हैं- मैं महारानी से पहले और बाद में अपने करियर को साफ तौर पर डिफाइन कर सकती हूं। ये वो शो था जहां लोग खड़े हुए और मेरी काबिलियत पर ध्यान दिया. इसकी सफलता ने लोगों को उन रोल्स में मेरी कल्पना करने पर मजबूर कर दिया जो वे पहले नहीं कर पाते थे. और अब, महारानी का सीजन 4 आने वाला है.इस दौरान हुमा कुरैशी ने ओटीटी पर अपनी कामयाबी और ओटीटी सिनेमाघरों से ज्यादा क्यों कर रहा है, इसपर भी बात की. उन्होंने कहा- ओटीटी एक बटन के टैप पर एंटरटेनमेंट देता है और ये बहुत बड़ी ताकत है. लेकिन मुझे लगता है कि ये एक अलग तरह के कंटेंट के लिए है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सेक्स स्कैंडल केस में अमित तिवारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर/बलौदाबाजार,17 नवम्बर 2024 (ए)। बलौदाबाजार जिले के चर्चित सेक्स स्कैंडल में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने तत्कालीन थाना प्रभारी अमित तिवारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। मालूम हो कि तिवारी पर ब्लैकमेलिंग और 15 लाख रुपये की अवैध उगाही में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। इससे पहले बलौदाबाजार सत्र न्यायालय ने भी उनकी जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि ऐसे मामलों में जमानत देने से समाज में गलत संदेश जाएगा। जिला कोर्ट ने तिवारी के खिलाफ दर्ज अपराध को गंभीर इस स्कैंडल की जांच में पुलिस ने अब तक महिला दलाल, एक नेता, पुलिस आरक्षक और मीडिया से जुड़े कई लोगों सहित आठ से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से कुछ आरोपी जमानत पर रिहा हो चुके हैं, जबकि बाकी अब भी जेल में हैं।

50 हजार का घूस मांगते हुए हेड कांस्टेबल का वीडियो हुआ वायरल

बिलासपुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। बिलासपुर में एक पुलिसकर्मी का रिश्वत मांगते वीडियो वायरल हो रहा है। प्रधान आरक्षक शराब तस्करी में फंसे आरोपी की जमानत के लिए पेश आवेदन पर सुनवाई के दौरान डायरी में दस्तावेज पूरा करने के लिए पैसे मांग रहा है। प्रधान आरक्षक वायरल वीडियो में कह रहा है कि आरोपी (शराब तस्कर) ने पहले रुपए देने की बात कही थी, लेकिन वह आया नहीं। हालांकि ये वीडियो पुराना बताया जा रहा है। वीडियो में प्रधान आरक्षक कह रहा है कि ऐसे में अब वह दस्तावेज तभी पूरा करेगा, जब उसे उसके मुताबिक रकम मिल जाएगी। नहीं मिलेगी तो नहीं करेगा। प्रधान आरक्षक जब्त बाइक को राजसात नहीं करने के लिए 50 हजार की डिमांड करते सुनाई दिया।

बिलासपुर में फूटी पाइप लाइन,बाजार के दुकानों में घुसा पानी

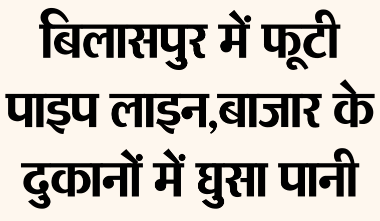

बिलासपुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में आज अचानक अमृत मिशन योजना का पाइप लाइन फूट गया। पाइप लाइन के फूटने से शनिचरी रपटा बिलासा चौक समेत बाजार और दुकानों में पानी भर गया है। घटना की सूचना के बाद भी निगम अमला अब तक नहीं पहुंचा है, जिसे लेकर लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है. वहीं अमृत जल मिशन योजना के तहत हुए कार्य पर भी अब सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में आज भी 2 माओवादी ढेर

कांकेर,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ हुई है। कांकेर जिले के पखांजूर थाना क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बड़े कैडर के नक्सली मारे गए।

यह मुठभेड़ जिले के मुसफर्सी काकुर गांव के नजदीक हुई, जहां दोनों पक्षों के बीच करीब एक घंटे तक गोलीबारी चलती रही। मारे गए नक्सलियों की पहचान रंजीत और संतोष के रूप में हुई है, जो डीवीसीएम (डिप्टी कमांडर) रैंक के थे।

संपत्ति खरीदी मामले में बड़ा फैसला

» अब 15 लाख की जमीन की रजिस्ट्री महज 40,000 में हो सकेगी...

» बैंक लोन लेने वालों को मिलेगी छूट...

रायपुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्ति खरीदी में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी है। इसके तहत अब किसी भी प्रापर्टी की खरीदी-बिक्री गाइड लाइन दर के अनुसार ही होगी। अगर आप 15 लाख की प्रापर्टी खरीदते है तो भी रजिस्ट्री शुल्क 10 लाख के अनुसार चार प्रतिशत यानि 40 हजार रुपये लगेगा। यानि प्रापर्टी खरीद-बिक्री की सौदे की राशि अधिक भी है तो भी रजिस्ट्री शुल्क गाइडलाइन दर के अनुसार होगी। इससे बैंक लोन पर निर्भर मध्यम वर्गीय परिवार को वास्तविक मूल्य के आधार पर ऋण मिल सकेगा।

बैंक लोन लेने में सहूलियत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस फैसले से उन नागरिकों को लाभ होगा, जो बैंक लोन लेकर संपत्ति खरीदते हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि इस संशोधन से मध्यम वर्गीय परिवारों को वास्तविक मूल्य के आधार पर अधिक बैंक लोन लेने में सहूलियत होगी। साथ ही यह निर्णय संपत्ति बाजार में पारदर्शिता व स्पष्टता को बढ़ाने में भी सहायक होगा और इ स स वास्तविक मूल्य दर्शाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा।

वास्तविक सौदा राशि अंकित होगी

वर्तमान में किसी संपत्ति का सौदा मूल्य गाइडलाइन मूल्य से बहुत ज्यादा होता है। लेकिन लोग गाइडलाइन मूल्य या इसके आसपास का ही सौदा मूल्य अंकित करते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अगर वास्तविक सौदा राशि अंकित कर देंगे, तो पंजीयन शुल्क गाइडलाइन मूल्य या वास्तविक सौदा राशि दोनों में से जो ज्यादा हो उस पर लगेगा।

अब तामझाम की जरूरत नहीं होगी

अधिक पंजीयन शुल्क से बचने के लिए लोग गाइडलाइन कीमत या इसके आसपास पूर्णांकित करते हुए सौदा मूल्य डाल देते हैं।अब नियम बदलने के बाद ऐसा नहीं होगा।कम सौदा कीमत दिखाएं जाने से बैंक लोन भी कम मिलता है।

इस नीति से आमजनों को न्यायिक प्रकरणों में भी संपत्ति का वास्तविक मूल्य प्राप्त होगा। यदि कभी संपत्ति में कुछ धोखाधड़ी पाई गई तो व्यक्ति विक्रेता से वही मुआवजा पाने का हकदार होता है, जो रजिस्ट्री पेपर में लिखा हुआ।

शासकीय सेवकों पर आश्रितों के लिए आय की अधिकतम सीमा में वृद्धि को वित्त विभाग से मंजूरी

रायपुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों पर आश्रितों की अधिकतम आय सीमा में वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब शासकीय सेवकों के आश्रितों के लिए आय की अधिकतम सीमा 3 हजार 50 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 7 हजार 750 रुपये प्रतिमाह करने को स्वीकृति प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि साल 2014 के बाद से शासकीय सेवकों के आश्रितों के लिए आय की अधिकतम सीमा में कोई वृद्धि नहीं की गई थी, जबकि राज्य में श्रमिकों की आय में लगातार वृद्धि हो रही है। अर्द्ध कुशल श्रमिकों के लिए दैनिक मजदूरी की दर अब 10,900 रुपये प्रति माह तक पहुंच गई है। ऐसे में शासकीय सेवकों के आश्रित सदस्य 3 हजार 50 रुपये प्रतिमाह से अधिक आय प्राप्त कर रहे थे, उन्हें परिवार पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब, आय सीमा बढ़ाने के साथ जिन आश्रितों की आय 3,050 रुपये से अधिक थी, वे सभी परिवार पेंशन का लाभ प्राप्त करने के पात्र हो सकेंगे।

इस कदम से शासकीय सेवकों के आश्रितों की स्थिति सुधरेगी और आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इससे उन परिवारों को राहत मिलेगी, जो शासकीय सेवक के निधन के बाद परिवार पेंशन पर निर्भर रहते हैं। आय सीमा में इस वृद्धि से उन्हें भी अब परिवार पेंशन का लाभ मिलेगा।

शराब प्रेमियों के लिए बना मनपसंद ऐप

» 72 घंटे में हजारों लोगों ने किया डाउनलोड...

रायपुर,17 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने शराब प्रेमियों की सुविधा के लिए मनपसंद नाम से एक ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप के जरिए उपभोक्ताओं को अपने पसंदीदा ब्रांड की उपलब्धता और कीमत की जानकारी आसानी से मिल रही है। ऐप के लॉन्च होते ही इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और 72 घंटे के भीतर इसे हजारों लोगों ने डाउनलोड कर लिया है।

मनपसंद ऐप क्या है?

मनपसंद ऐप छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लॉन्च की गई एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य शराब प्रेमियों को उनकी मनपसंद ब्रांड की जानकारी घर बैठे देना है। इस ऐप के जरिए उपभोक्ता जान सकते हैं कि कौन सा ब्रांड किस दुकान में उपलब्ध है और उसकी कीमत कितनी है।इस ऐप से ग्राहकों को पसंदीदा ब्रांड की खोज में परेशानी नहीं हो रही। शराब की कीमतों को लेकर ओवररेटिंग से बचाव हो रहा है। दुकानों पर भीड़ कम हो रही है।

महाधिवक्ता सतीश चन्द्र वर्मा ने लगाई अग्रिम जमानत याचिका

रायपुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ ईओडब्ल्यू की ओर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने अग्रिम जमानत की याचिका रायपुर के स्पेशल कोर्ट में लगायी है। वही इस मामले में सुनवाई 19 नवंबर को होगी। इससे पहले यह सुनवाई 13 नवंबर को होनी वाली थी। लेकिन किसी कारण से सुनवाई टल गई और इस मामले में मंगलवार को सुनवाई होगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित नान घोटाला मामला में ईओडब्ल्यू नें रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा के अलावा कांग्रेस सरकार में पूर्व महाधिवक्ता के खिलाफ एफ आईआर दर्ज की थी। छत्तीसगढ़ के नान (नागरिक आपूर्ति निगम) घोटाले में ईओडब्ल्यू की ओर 4 नवंबर को नई एफआईआर दर्ज की गई है। जिससे घोटाले में दो पूर्व आईएएस और पूर्व महाधिवक्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। ईओडब्ल्यू में 2015 में दर्ज नान घोटाले में आरोप है कि तीनों ने प्रभावों का दुरुपयोग कर गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास किया है। इसी मामले में 2019 में ईडी ने केस दर्ज किया है।

फसल गिरदावरी में लापरवाही पर महिला पटवारी निलंबित

रायपुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में फसल गिरदावरी के कार्य में लापरवाही बरतने पर हल्का नंबर 20 की महिला पटवारी अश्विनी भास्कर को निलंबित कर दिया गया है। कठिया, पेंड्री, झलमला, राका और कुरुद गांवों के खसरों के सत्यापन के दौरान कई त्रुटियां उजागर हुई, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया।

विदेशी महिला सहित तीन नागरिक गिरफ्तार

» तेज रफ्तार कार से किया था बैरियर तोड़ने का प्रयास...

बिलासपुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने हत्या का प्रयास, लोक सेवक को सरकारी कार्य से रोकने और आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने संदिग्ध कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

रतनपुर थाना में तैनात आरक्षक सुनील कोरी ने बताया कि 15-16 नवंबर की दरमियानी रात को पेट्रोलिंग के दौरान उन्हें बेलगहना की तरफ से संदिग्ध कार डीएल 9 सीयू 4208 के तेज रफ्तार से आने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने शनिचरी चौक पर बेरियर लगाकर वाहन को रोकने का प्रयास किया।

कार चालक ने बेरियर को तोड़ते हुए वाहन पुलिसकर्मियों पर चढ़ाने की कोशिश की। हालांकि, सतर्क पुलिसकर्मियों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। कार को पकड़ने के लिए पीछा किया गया और कोनी थाना पुलिस ने कार को अपने क्षेत्र में रोका।

पूछताछ में कार सवारों ने अपनी पहचान वलसुद्दीन कमलजादा 37 वर्ष निवासी काबुल, अफगानिस्तान, फयाजुद्दीन 32 वर्ष निवासी काबुल, अफगानिस्तान व समंदरोवा नाजीरा 39 वर्ष निवासी उजबेकिस्तान बताया। आरोपियों ने बताया कि वे पिछले 11 वर्षों से दिल्ली में रह रहे हैं और ड्राई-फ्रूट्स का कारोबार करते हैं। वे स्वदेशी मेले में ड्राई-फ्रूट्स का स्टाल लगाने के लिए छत्तीसगढ़ आए थे।

पुलिस ने जब्त की गई कार की जांच में पाया कि कार का पिछला शीशा टूटा हुआ है। पुलिस का मानना है कि मामले की गहराई से जांच में और कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। चूंकि मामला विदेशी नागरिकों से जुड़ा हुआ है, इसे अत्यधिक संवेदनशील माना जा रहा है। रतनपुर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 109, 132, 221 और 324(4) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बीजापुर में वनरक्षक भर्ती में अधिकारी उड़ा रहे नियमों की धज्जियां

पत्रकारों को भी दी चुनौती

बीजापुर,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में वनरक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा भर्ती प्रक्रिया में नियमों की अवहेलना किए जाने का मामला सामने आया है। अधिकारियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा के आयोजन में तय नियमों का पालन नहीं किया और परीक्षा के दौरान गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं।

सभी विभागीय नियमों के अनुसार शारीरिक दक्षता परीक्षा सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच, प्राकृतिक रोशनी में ही आयोजित की जानी चाहिए। लेकिन अधिकारियों द्वारा रात में या कृत्रिम रोशनी में परीक्षा कराई। साथ ही, शारीरिक नापजोख और दक्षता परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बहुउद्देशीय कार्ड का प्रारूप भी निर्धारित किया गया था, जिसे भी लागू नहीं किया गया।

मामले में इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक संदीप बलगा पर आरोप हैं कि उन्होंने पत्रकारों को कवरेज करने से रोका और गड़बड़ी की खबरों को दबाने का प्रयास किया। एसडीओ मनोज बघेल, एसडीओ प्रकाश नेताम और वनकर्मी राजूराम वाचम ने भी प्रेसक्लब अध्यक्ष और पत्रकारों को परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया।उपनिदेशक संदीप बलगा ने पत्रकारों को चुनौती देते हुए कहा, जो लिखना है लिखो, हम देख लेंगे। अधिकारी के इस अपमानजनक रवैये से पत्रकारों में नाराजगी व्याप्त है और उन्होंने इस मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है। वनरक्षक भर्ती प्रक्रिया में उठ रही इन गंभीर सवालों को लेकर अब जिला प्रशासन से जांच की मांग की जा रही है, ताकि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत

कवर्धा,17 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में एक महिला किसान की थ्रेसर मशीन में फंसने से दर्दनाक मौत हो गई. मामला बोड़ला थाना क्षेत्र के ग्राम नेऊरगांव कला का है, जहां धान मिसाई का काम करते समय यह हादसा हो गया और गंभीर रूप से घायल होने पर महिला की मौके पर ही मौत हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामला दर्ज कर घटना की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, हादसे में मृत महिला का नाम सुनैना चंद्रवंशी है. वह आज रविवार की सुबह खेत में धान मिसाई का काम कर रही थी. इसी दौरान अचानक थ्रेसर मशीन के बेल्ट में उसकी साड़ी फंस गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. इस हृदय विदारक घटना के बाद मृतका के परिवार समेत पूरे गांव में मातम छा गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)